

असली आजादी

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik

asliazadidainikofficial

■ वर्ष: 22, अंक: 21 ■ दमण, शुक्रवार 09, अक्टूबर, 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा एवं श्रीडी भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी ने कचीगाम में शिक्षा और बाल विकास सुविधाओं का लिया जायजा

नरेन्द्रभाई जब मुख्यमंत्री थे तब गुजरात की आंगनवाडियों का नाम नंदधर रखा था, दमण में वहीं कॉन्सेप्ट देखकर मुझे एक बड़ा बदलाव नजर आया:वर्षा दोशी

■ प्रदेश भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी ने कचीगाम क्षेत्र की आंगनवाड़ी के बच्चों से किया आत्मीय संवाद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित ■ भाजपा प्रभारी ने प्रदेश भाजपाईयों के साथ स्कूल परिसर में किया वृक्षारोपण



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 08 अक्टूबर। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा एवं संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा की प्रभारी वर्षा दोशी ने आज दमण जिले के कचीगाम ग्राम पंचायत क्षेत्र का दौरा कर वहां स्थित आंगनवाड़ी केंद्र एवं नवनिर्मित स्कूल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया, प्रदेश महामंत्री जिग्नेश पटेल एवं सुनील पाटिल, प्रदेश उपाध्यक्षा एवं कचीगाम ग्राम पंचायत की सरपंच फाल्गुनी पटेल, प्रदेश सचिव उर्वशी पटेल, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल तथा दमण जिला पंचायत की उपाध्यक्षा रीना पटेल सहित भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वर्षा दोशी ने कचीगाम की आंगनवाड़ी में पहुंचकर बच्चों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट एवं अन्य सामग्री वितरित की तथा बच्चों के अभिभावकों से भी

बातचीत कर आंगनवाड़ी के माध्यम से बच्चों को मिल रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर आंगनवाड़ी केंद्र की बहनों को शांल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। इसके पश्चात उन्होंने कचीगाम स्थित नवनिर्मित स्कूल का दौरा किया। उन्होंने स्कूल परिसर का निरीक्षण करते हुए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संवाद किया तथा शिक्षा एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर वर्षा दोशी ने स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस अवसर पर भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा एवं प्रदेश प्रभारी वर्षा दोशी ने कहा कि मुझे सच में बहुत खुशी हो रही है। जब मैं गुजरात में विधायक थी तब माननीय नरेन्द्रभाई मुख्यमंत्री थे और मैंने उनकी सीधी देखरेख में काम किया था। हमने वहां आंगनवाड़ियों का नाम नंदधर रखा था और अपनी आशा और

हमारे बच्चे माना जाता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किस जाति या बैकग्राउंड से आते हैं। आंगनवाड़ियों को इस तरह विकसित होते देखना बहुत अच्छा लगा, और मेरे लिए सबसे बड़ी हैरानी की बात एक बहुत बड़ा सरकारी स्कूल देखना था। मैंने एक शानदार इमारत वाले स्कूल कैपस का दौरा किया, जहाँ बहुत सारे छात्र पढ़ रहे हैं। मैंने सालों तक शिक्षा के क्षेत्र में काम किया है, मुझे इस क्षेत्र में 35 साल का अनुभव है। सरकार को इतना

कुछ करते हुए और बच्चों को इतने बेहतरीन, अत्याधुनिक सरकारी स्कूल की इमारतों में पढ़ते हुए देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और बाल विकास किसी भी समाज के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में बच्चों की शिक्षा, पोषण एवं उनके सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी दिशा में दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव प्रदेश में भी शिक्षा तथा मूलभूत सुविधाओं के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रफुल पटेल के नेतृत्व में दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश में विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कार्य हुआ है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत सुविधाओं एवं जनकल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। वर्षा दोशी ने कहा कि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, आधुनिक सुविधाएं एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा की हुई संगठनात्मक बैठक: प्रदेश प्रभारी वर्षा दोशी ने पदाधिकारियों को दिया मार्गदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 08 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा एवं दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा की नवनिर्वाचित प्रभारी वर्षा दोशी की विशेष उपस्थिति रही। बैठक के दौरान प्रदेश प्रभारी वर्षा दोशी का प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी एवं आत्मीयता के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके पश्चात उपस्थित सभी पदाधिकारियों के साथ परिचय एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वर्षा दोशी ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए संगठनात्मक कार्यों, संगठन को और अधिक सुदृढ़ करने तथा आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने संगठन के कार्यों में सभी पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता एवं समन्वय के महत्व पर भी चर्चा की। बैठक में प्रदेश महामंत्री जिग्नेश पटेल एवं सुनील



पाटिल सहित प्रदेश के सभी पदाधिकारी, प्रदेश के सभी मोर्चों के अध्यक्ष एवं महामंत्री तथा सभी

जिलों के अध्यक्ष एवं महामंत्री उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी

कार्यक्रमों एवं पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा एवं संवाद किया गया।

रिंगनवाडा ग्राम पंचायत में कानूनी साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन: कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं की दी गई जानकारी



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 08 अक्टूबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन दमण के संयुक्त तत्वावधान में आज रिंगनवाडा ग्राम पंचायत में कानूनी साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वकील मयंक सी. पटेल ने स्वास्थ्य अधिकारों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए उपलब्ध कल्याणकारी योजनाओं, स्किल इंडिया मिशन, तकनीकी एवं डिजिटल स्किल ट्रेनिंग तथा पीएम वन-धन योजना सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक जानकारी और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया। वहीं नालसा की डॉन योजना के तहत नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव एवं नशे से होने वाले नुकसान के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया तथा नशा मुक्ति का संदेश दिया गया। वकील मिलन पटेल ने ट्रांसजेंडर समुदाय से जुड़े कानूनी मुद्दों एवं उनके अधिकारों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित लोगों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं वकील रिमता गोहिल ने लैंगिक समानता के लिए विधिक जागरूकता विषय पर जानकारी दी। इस कार्यक्रम में उपस्थित ट्रांसजेंडर समुदाय ने भी अपने विचार साझा किये। शिविर के माध्यम से उपस्थित नागरिकों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में रिंगनवाडा ग्राम पंचायत सरपंच चैताली कामली, ग्राम पंचायत सदस्यों एवं नागरिकों की उपस्थिति रही।

दीव के दगाची नक्षत्रवन में पौधा लगाने के साथ वन संरक्षण सप्ताह-2026 का हुआ समापन



असली आज्ञादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 8 अक्टूबर। आज दगाची में वन संरक्षण सप्ताह मनाने के साथ दीव में वन विभाग की तरफ से पौधा लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के साथ ही 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक चले आ रहे वन संरक्षण सप्ताह-2026 का समापन किया गया। इस वन संरक्षण सप्ताह के तहत वन विभाग की ओर से निबंध स्पर्धा, पेंटिंग स्पर्धा, ट्रेकिंग समेत कई कार्यक्रम किये गये। इन सभी कार्यक्रम का मुख्य मकसद युवाओं में वन्य जीवों के संरक्षण, पौधा और पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा करना और प्रकृति बचाने की भावना बढ़ाना था। आज का वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत सुबह 9:30 बजे दगाची में मौजूद नक्षत्र वन में दीव गवर्नमेंट कॉलेज के विद्यार्थियों और ठउड कैडेट्स ने पौधा लगाए। विद्यार्थियों ने नक्षत्र वन परिसर में नारियल, अमरूद समेत कई तरह के पौधा लगाए।



वृक्षारोपण के कार्यक्रम के दौरान वन विभाग के कर्मचारी भी खास तौर पर मौजूद रहे और विद्यार्थियों के साथ पौधा लगाने में उत्साह के साथ हिस्सा लिया। वन संरक्षण सप्ताह के दौरान अलग-अलग कार्यक्रम करके युवाओं और स्थानीय लोगों में वन्य जीवों के संरक्षण और पर्यावरण के बचाव के बारे में जागरूकता फैलाकर प्रकृति को बचाने का मैसेज दिया गया।

हवाई सफर हुआ महंगा: एयर इंडिया-इंडिगो ने बढ़ाया फ्यूल सरचार्ज, 9 अक्टूबर से नई दरें लागू

नई दिल्ली (ईएमएस)। त्योहारी सीजन से पहले हवाई यात्रियों को बड़ा झटका लगा है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने ईंधन सरचार्ज बढ़ाने का ऐलान किया है, जबकि इंडिगो पहले ही फ्यूल चार्ज में बढ़ोतरी कर चुकी है। लगातार बढ़ती एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एटीएफ की कीमतों के चलते एयरलाइनों ने यह फैसला लिया है। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस की नई दरें 9 अक्टूबर 2026 से होने वाली नई बुकिंग पर लागू होंगी। घरेलू उड़ानों में दूरी के आधार पर 400 से 1,200 रुपये तक वन-वे फ्यूल सरचार्ज लगेंगे। 500 किलोमीटर तक की उड़ान पर 400 रुपये, 501 से 1,000 किलोमीटर पर 600 रुपये,



1,001 से 1,500 किलोमीटर पर 850 रुपये और 1,500 किलोमीटर से ज्यादा की उड़ानों पर 1,200 रुपये सरचार्ज होगा। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी सरचार्ज बढ़ाया गया है। उत्तरी अमेरिका के लिए 215 डॉलर, ऑस्ट्रेलिया के लिए 210 डॉलर, यूरोप और ब्रिटेन के लिए 135 डॉलर और पश्चिम एशिया तथा मध्य पूर्व के लिए 55 डॉलर वन-वे सरचार्ज तय किया गया है। वहीं, इंडिगो ने 6 अक्टूबर से घरेलू उड़ानों पर दूरी के हिसाब से 375 से 1,300 रुपये तक फ्यूल चार्ज लागू किया है। अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर भी अलग-अलग श्रेणियों में शुल्क बढ़ाया गया है। एयरलाइनों के मुताबिक, एटीएफ की कीमतों में लगातार तेजी और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव से परिचालन लागत बढ़ी है। कंपनियों का कहना है कि सरचार्ज बढ़ाने का उद्देश्य बढ़ी हुई ईंधन लागत का कुछ हिस्सा पूरा करना है, ताकि यात्रियों पर पूरा बोझ न पड़े।

एसयूवी खाई में गिरी, 2 की मौत; 7 गंभीर

रामबन (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बुधवार रात एक एसयूवी सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, वाहन में कुल 9 लोग सवार थे। हादसे में वाहन चालक विजय सिंह और 26 साल के सुनील सिंह की मौत हुई। एसयूवी चिन्थन की ओर जा रही थी, तभी वह सड़क से फिसल गई। घायलों में से एक को जम्मू रेफर किया गया है, जबकि बाकी छह को इलाज के लिए अर्न्तनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

Bharat Express
Diu To Daman - Silvassa
Baroda - Bharuch - Ankleshwar - Surat.
Navsari - Chikhli - Valsad - KillaPardi
Vapi - Bhilad - Mumbai - Ahmedabad

Office
02875 225990
Mo.9426989796
Mo.9104980990

MISSING DOCUMENT

I the Undersigned **Mr. VISHNU MOHAN SOLANKI**, S/O MOHAN SHAMJI SOLANKI, Bachelor, Aged about 25 Hindu, India National, Presently Residing at H. No. 1987, Meghawadi, Saudwadi, Diu.

That I am Holder of Indian Passport Bearing **No. AP446503**, Date of issue **23/03/2026** and Date of Expiry **22/03/2036**. I was Going to Vanakwara to nagoa road for some work, my said original passport was lost by me somewhere. In spite of my best efforts to search my above said Passport I could not be found it. Now I want to get missing report from the police department, vanakbarra, diu, so this affidavit is required to be produced.

I know that to make a false affidavit is an offence.

Whatever stated above is true to the best of my knowledge and belief and we believe the same are true.

SD/-

VISHNU MOHAN

SOLANKI

Diu

Dated:- 23/09/2026

CHANGE OF NAME

OLD NAME - SHAHSHIKANT G JAISWAL
NEW NAME - SHASHIKANT
GOPALPRASAD JAISWAL
ADD :- 4-A-1 GHELWAD GALIYA SOMNATH
DABHEL, DAMAN, 396210

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM KANTILAL NANJIB RATHOD TO KANTILAL NANJIBHAI RATHOD
ADDRESS :- 126, MAHYAVANSHI FALIA, DUNETHA, NANI DAMAN-396210

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM YOGINIBEN TO YOGINI KANTILAL RATHOD
ADDRESS:- 126, MAHYAVANSHI FALIA, DUNETHA, NANI DAMAN-396210

16 हजार में किराए पर ली ऑडी, 17 साल के नाबालिग ने 3 गाड़ियों को मारी टक्कर, राहगीर की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में तेज रफ्तार ऑडी ने तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में सड़क किनारे जा रहे 45 वर्षीय उमाशंकर की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक ऑडी 17 साल का नाबालिग चला रहा था, जिसने दोस्त की बर्थडे पार्टी के लिए यह कार एक ऐप के जरिए करीब 16 हजार रुपये में रातभर के लिए किराए पर ली थी। हादसा 4 अक्टूबर की रात करीब ढाई बजे किशनगढ़ स्थित सीएनजी पंप के सामने रेड लाइट के पास हुआ। पुलिस के अनुसार नाबालिग कथित तौर पर तेज और लापरवाही से ऑडी चला रहा था। इसी दौरान कार तीन अन्य वाहनों से टकरा गई। टक्कर की चपेट में आए उमाशंकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जेपीएन एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने नाबालिग को पकड़कर किशोर न्याय बोर्ड के सामने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया है।

ऑडी समेत हादसे में शामिल सभी वाहनों को ज्त कर लिया गया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 106(1) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 3/181 के तहत केस दर्ज किया गया है। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि नाबालिग को ऑडी किराए पर कैसे मिली। कार उपलब्ध कराने वाली कंपनी से बुकिंग, उम्र की जांच, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य दस्तावेजों की जानकारी मांगी गई है।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग - दीव
निविदा आमंत्रण सूचना

आईटीआई घोघला, दीव में विशेष मरम्मत नवीनीकरण और अन्य संबद्ध कार्य

निविदा सूचना सं. एवं पहावन सं. : 45/2026-2027 (2026_DIUOT_5008_3)

प्रो-बिड मीटिंग की तिथि : --

डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 14/10/2026

ऑनलाइन करने की तिथि : 14/10/2026

बोली खुलने की तिथि : 14/10/2026

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव
NO:IP/DMN/2/5/2026-27/562 DATE:-09/10/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग - दीव
निविदा आमंत्रण सूचना

बस स्टेशन घोघला, दीव की विशेष मरम्मत और नवीनीकरण

निविदा सूचना सं. एवं पहावन सं. : 45/2026-2027 (2026_DIUOT_5008_3)

प्रो-बिड मीटिंग की तिथि : --

डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 14/10/2026

ऑनलाइन करने की तिथि : 14/10/2026

बोली खुलने की तिथि : 14/10/2026

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव
NO:IP/DMN/2/5/2026-27/565 DATE:-09/10/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग - दीव
निविदा आमंत्रण सूचना

जिला एवं सत्र न्यायालय, दीव में स्प्लिट एयर-कंडीशनर उपलब्ध कराना, लगाना, जांचना और चालू करना

निविदा सूचना सं. एवं पहावन सं. : 45/2026-2027 (2026_DIUOT_5009_3)

प्रो-बिड मीटिंग की तिथि : --

डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 14/10/2026

ऑनलाइन करने की तिथि : 14/10/2026

बोली खुलने की तिथि : 14/10/2026

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव
NO:IP/DMN/2/5/2026-27/563 DATE:-09/10/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग - दीव
निविदा आमंत्रण सूचना

जेटी बाई सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, घोघला, दीव के लिए छत्र डेस्क/बेंच उपलब्ध कराना और आपूर्ति करना

निविदा सूचना सं. एवं पहावन सं. : 45/2026-2027 (2026_DIUOT_5009_3)

प्रो-बिड मीटिंग की तिथि : --

डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 14/10/2026

ऑनलाइन करने की तिथि : 14/10/2026

बोली खुलने की तिथि : 14/10/2026

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव
NO:IP/DMN/2/5/2026-27/566 DATE:-09/10/2026

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का 75 वर्ष की आयु में निधन

■ गंभीर कार्डियक अरेस्ट : गोवा में ली अंतिम सांस, जन्म- 1 जनवरी 1951, मृत्यु- 8 अक्टूबर 2026



गोवा (ईएमएस)। हिंदी और मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह उनके गोवा स्थित आवास पर निधन हो गया। रिपोटर्स के मुताबिक, 75 वर्षीय अभिनेता को गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और सुबह करीब 5:20 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. शेखर सालकर ने बताया कि नाना पाटेकर को गंभीर कार्डियक अरेस्ट हुआ था और उनकी जान बचाने के लिए करीब 45 मिनट तक लगातार सीपीआर दिया गया। इसके बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और उन्हें पुनर्जीवित नहीं किया जा सका। डॉक्टर के मुताबिक, इस मामले में मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) दर्ज किया गया है और नाना पाटेकर के निधन की चिकित्सकीय

वजह की पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा। नाना पाटेकर के निधन की खबर सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री और उनके प्रशंसकों के बीच शोक की लहर है। उनका फिल्मी सफर चार दशक से भी ज्यादा लंबा रहा, जिसकी शुरुआत उन्होंने 1978 में फिल्म 'गमन' से की थी। अपने अभिनय से उन्होंने हिंदी और मराठी सिनेमा में एक विशिष्ट पहचान बनाई। 'परिदा', 'अंगार', 'तिरंगा', 'क्रांतिवीर', 'अग्निवाक्य', 'अब तक छपन', 'अपहरण', 'वेलकम' और 'नटसम्राट' जैसी फिल्मों में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। फिल्म 'क्रांतिवीर' में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अपने करियर में उन्होंने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के साथ कई फिल्मफेयर पुरस्कार भी जीते। भारतीय सिनेमा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें साल 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया था।

20 साल में प्लेन क्रैश में 8,778 मौतें

नई दिल्ली (ईएमएस)। हवाई सफर पहले के मुकाबले काफी सुरक्षित हुआ है, लेकिन अब एविएशन इंडस्ट्री के सामने एक अलग तरह का खतरा चर्चा में है। यह खतरा विमान के अंदर ही मौजूद हो सकता है। यानी कोई पायलट जानबूझकर विमान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करे। हालिया फ्लाइटडुबई घटना ने एक बार फिर इस सवाल को सामने ला दिया है कि पायलट की जानबूझकर की गई हरकत से विमान और उसमें बैठे सैकड़ों लोगों को कैसे बचाया जाए। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट असोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2005 से 2025 के बीच कमर्शियल एविएशन में 270 घातक हादसे हुए, जिनमें विमान में सवार 8,470 लोगों की मौत हुई, जबकि अन्य मौतों को जोड़ने पर यह आंकड़ा 8,778 हो जाता है। वहीं, वाल स्ट्रीट जनरल के मुताबिक इसी अवधि में कम से कम 800 मौतें ऐसे विमान हादसों में हुईं, जिन्हें अमेरिकी अधिकारियों ने पायलट की जानबूझकर की गई कार्रवाई

से जुड़ा माना है या जिनमें ऐसी कार्रवाई की पुष्टि हुई है। स्थानीय जांच में अब तक पुष्टि नहीं हालांकि, हर मामले में लोकल जांच एजेंसियों का निष्कर्ष अमेरिकी अधिकारियों की राय से मेल नहीं खाता। कुछ हादसों की अंतिम जांच भी अभी पूरी नहीं हुई है। इन मामलों में 2014 का मलेशिया एयरलाइंस एमएच370, 2022 का चाइना ईस्टर्न क्रैश और 2025 का एअर इंडिया हादसा शामिल हैं। इन तीनों मामलों में अमेरिकी अधिकारियों ने जानबूझकर की गई कार्रवाई की आशंका जताई है, लेकिन स्थानीय जांच में अभी ऐसा अंतिम निष्कर्ष नहीं आया है। 20 साल में मौतों की संख्या 35 प्रतिशत घटी वहीं 2015 का जर्मनविंग्स हादसा ऐसा मामला है, जिसे आधिकारिक तौर पर जानबूझकर किया गया क्रैश माना गया। को-पायलट ने विमान को फ्रेंच आल्प्स में जानबूझकर गिराया था, जिसमें 150 लोगों की मौत

हुई। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दो दशकों में दुनिया में हवाई यात्रा करीब 37 प्रतिशत बढ़ी, जबकि 2005 से 2025 के बीच कमर्शियल एविएशन में मौतों की संख्या 35 प्रतिशत घटी। यानी सामान्य विमान हादसे कम हुए हैं, लेकिन जानबूझकर किए गए हादसों का असर अब ज्यादा साफ दिखाई देता है। इसी वजह से एयरलाइंस, रेगुलेटर्स और विमान निर्माता अब सिर्फ तकनीकी खराबी या पायलट की सामान्य गलती पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। पायलट की स्क्रीनिंग, कॉकपिट सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और ऐसी तकनीक पर भी चर्चा हो रही है, जो जरूरत पड़ने पर पायलट की जानबूझकर की गई गलत कार्रवाई को रोक सके। फ्लाइटडुबई की हालिया घटना ने इस खतरे को फिर सामने ला दिया है। यानी विमान सुरक्षा में अब सवाल सिर्फ यह नहीं है कि मशीन में खराबी कैसे रोकी जाए, बल्कि यह भी है कि कॉकपिट के अंदर मौजूद इसान जानबूझकर विमान को खतरे में डाले तो उसे कैसे रोका जाए।

नोएडा बस गैंगरेप मामले में चालक और खलासी पर आरोप तय

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने नोएडा बस गैंगरेप मामले में आरोपी बस चालक और खलासी के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाने और सामूहिक दुष्कर्म समेत गंभीर धाराओं में आरोप तय कर दिए हैं। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सोनम गुप्ता ने दिल्ली पुलिस की ओर से करीब 400 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किए जाने के एक सप्ताह बाद यह आदेश दिया। अदालत ने आरोपियों की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें पुलिस पर मीडिया दबाव से सबूत गढ़ने का आरोप लगाया गया था। अदालत ने कहा कि साक्ष्यों की विस्तृत जांच सुनवाई के दौरान की जाएगी। आरोपीद्वय कुलदीप और संदीप पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपहरण, गलत तरीके से बंधक बनाने, विवाह या यौन संबंध के उद्देश्य से अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के आरोप लगाए गए हैं। दोनों पर पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत गंभीर यौन अपराध का

आरोप भी है। विशेष लोक अभियोजक निम्मी सिसोदिया ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़िता और अन्य गवाहों के बयान प्रथम दृष्टया अभियोजन के मामले का समर्थन करते हैं। अभियोजन के अनुसार, 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा चार अगस्त की रात मैनुपुरी से नोएडा अपने रिश्तेदार से मिलने जा रही थी। भारी बारिश के दौरान वह गलत जगह उतर गई और उसने एक स्लीपर बस को रुकने का इशारा किया।

आरोप भी है। विशेष लोक अभियोजक निम्मी सिसोदिया ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़िता और अन्य गवाहों के बयान प्रथम दृष्टया अभियोजन के मामले का समर्थन करते हैं। अभियोजन के अनुसार, 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा चार अगस्त की रात मैनुपुरी से नोएडा अपने रिश्तेदार से मिलने जा रही थी। भारी बारिश के दौरान वह गलत जगह उतर गई और उसने एक स्लीपर बस को रुकने का इशारा किया।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन

लोक निर्माण विभाग - दीव
निविदा आमंत्रण सूचना

घोघला, दीव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की मरम्मत और नवीनीकरण

निविदा सूचना सं. एवं पहावन सं. : 45/2026-2027 (2026_DIUOT_5007_3)

प्रो-बिड मीटिंग की तिथि : --

डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 14/10/2026

ऑनलाइन करने की तिथि : 14/10/2026

बोली खुलने की तिथि : 14/10/2026

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव
NO:IP/DMN/2/5/2026-27/564 DATE:-09/10/2026

UT ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU

Land Section Collectorate, Diu

Declaration as per Section 19 of the RFCT/LARR Act, 2013

Additional Land Acquisition of Public Land from Malala Land Acquisition of Private Land for the project of Development of infrastructure facilities, hospitality, recreation, leisure, exhibition, etc. to the visiting tourists in Diu District.

No. 65-02(Part)-LAQ-2024-25/1544 dated 07/10/2026.

Note: Details can be downloaded from https://tinyurl.com/556e9b2 or by scanning the QR code.

कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव
NO:IP/DMN/2/5/2026-27/572 DATE:-09/10/2026

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले



ललित गर्ग

मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है।

संपादकीय

पाक जासूी का संजाल

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कुछ भारतीय चंद रुपयों व अनियंत्रित काम लिप्साओं के चलते राष्ट्रद्रोही गतिविधियों में लिप्त पाये जाते हैं। ये मामले यदि सेना के अंगों में सामने आते हैं तो मामला बेवद संगीन हो जाता है। आखिर वह क्या मजबूरी है कि कुछ लोग नैतिकता-राष्ट्रभक्ति को ताक पर रख दुश्मन देश को संवेदनशील जानकारी देने लगते हैं। देश में अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जब पाकिस्तान की तरफ से महिलाओं के जरिये जवानों को हनी ट्रैप में फंसाया गया हो। कुछ के खिलाफ कार्रवाई भी हुई, लेकिन ये सिलसिला थमा नहीं है। पिछले दिनों एक बार फिर पाकिस्तानी साजिश से चल रहे एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। यह जासूसी नेटवर्क भारतीय नौसेना के ईस्टर्न नेवल कमांड को निशाना बना रहा था। इस गहरी साजिश के पकड़ में आने के बाद हुए खुलासे ने देश की सुरक्षा के लिये खतरे की घंटी बजा दी है। यह संगीन मामला बताता है कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को न सिर्फ आधुनिक तकनीक से, बल्कि इंसान की चारित्रिक दुर्बलताओं से भी बड़ा खतरा है। पाकिस्तानी सेना व खुफिया एजेंसियों का यह संजाल कितना बड़ा था, वह इस बात से पता चलता है कि आंध्र प्रदेश काउंटर ईटेलिजेंस सेल ने नेवल ईटेलिजेंस, एंटी- टेररिज्म स्कवाड और 10 राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर यह 'ऑपरेशन फायरवॉल' चलाया। व्यापक छानबीन के बाद इस ऑपरेशन में 18 सदियों की पहचान की गई। दुर्भाग्य की बात यह है कि इसमें शामिल लोगों में से 13 नौसेना के कर्मचारी थे। दरअसल, पाकिस्तान की तरफ से जासूसी की साजिश आधुनिक व डिजिटल तकनीक के जरिये अंजाम दी गई। पाकिस्तानी ईटेलिजेंस के लोग फर्जी पहचान का इस्तेमाल करते थे। वे फेसबुक आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिये महिलाओं के तौर पर बात करते थे। ये कथित महिलाएं नौसेना के जवानों को मोहपास में बांधकर फेसबुक से व्हाट्सएप तक ले जाती थीं। फिर इनकी कमजोर नस पर हाथ रखकर या भयादोहन करके नौसेना की संवेदनशील जानकारी जुटाई जाती थी। आरोप है कि फेसबुक पर सुंदर महिलाओं की फोटो लगाकर, निजी बातचीत करके, रोमांटिक बातों से लुभाकर, वीडियो कॉल और पैसे का लालच देकर लोगों को जाल में फंसाया जाता था। फिर ट्रैप में फंसे लोगों को लालच या भव दिखाकर- नेवी के जहाजों, पनडुब्बियों, कमांडरों और संवेदनशील ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की जाती थी। इस साजिश में भारतीय सिम कार्ड, चोरी किए गए या शेयर किए गए व्हाट्सएप एक्टिवेशन ओटीपी और क्रिप्टोकॉरसी से पेमेंट का इस्तेमाल किया जाना बताता है कि जासूसी का नेटवर्क बेहद शातिर और व्यवस्थित तरीके से चलाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि हमारी सुरक्षा के लिये तैनात चंद काली भेड़ें पाकिस्तान के जासूसी संजाल में फंसकर राष्ट्रीय हितों पर कुतराघात कर रही थीं।

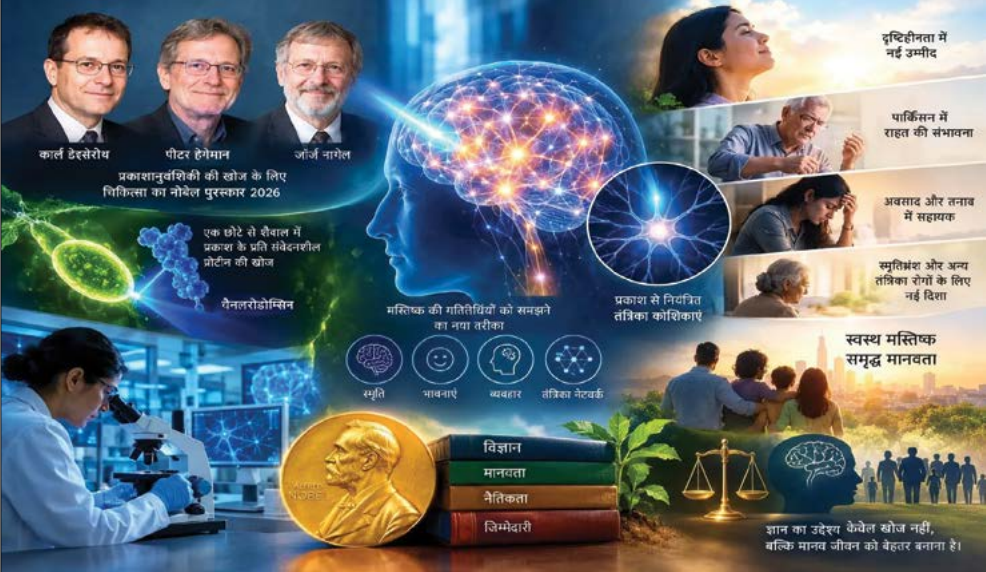
चिंतन-मनन

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरी की विशेषताएं लिए रहता है। इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है - बुद्धयै फलं तत्त्व विचारणच/देहस्थ सारं व्रतधारणं च/वित्तस्य सारं श्रिलपायं दानं/वाचः फलं प्रतिकरनारणाम्। अर्थात्- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार करके उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है। धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुःख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर गड़कन की रफ्तार को समझें।

मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसरेथ, पीटर हेगमान और जॉर्ज नागेल को जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान को इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवैशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरुआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटैन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है।

इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक



मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता को संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे। यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते

चिड़ियों से अनंत संभावनाओं तक : 260 साल की भारतीय डाक यात्रा

नहीं बल्कि नागरिकों, व्यवसायों और सरकार के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण सेतु बन चुका है। एकीकृत डाक नेटवर्क के माध्यम से बैंकिंग, बीमा, बचत, पेंशन, डिजिटल भुगतान, आधार, पासपोर्ट, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स जैसी अनेक सेवाएं लोगों को एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में डाक नेटवर्क वित्तीय समावेशन तथा आवश्यक नागरिक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डिजिटल युग में डाक व्यवस्था तकनीक, नवाचार और मानवीय विश्वास का समन्वय करते हुए स्वयं को लगातार नए रूप में ढाल रही है। यह थीम स्पष्ट करती है कि एक मजबूत और आधुनिक डाक नेटवर्क केवल संदेश नहीं पहुंचाता बल्कि विकास, अवसर और समावेशन को भी अंतिम छोर तक पहुंचाता है।

विश्व डाक दिवस का उद्देश्य ग्राहकों के बीच डाक विभाग के उत्पादों के बारे में जानकारी देना, उन्हें जागरूक करना और डाकघरों के बीच सामंजस्य स्थापित करना है। भारत में पहली बार सन् 1766 में ब्रिटिश शासनकाल में लॉर्ड क्लाइव द्वारा डाक व्यवस्था की शुरुआत की गई थी, जिसका विकास करते हुए 1774 में वारेन हेस्टिंग्स ने पहला डाकघर कोलकाता में स्थापित किया था। उसके बाद 1786 में चेन्नई और 1793 में मुम्बई में जरनल डाकघर स्थापित किए गए। जहां तक डाक टिकटों की शुरुआत की बात है तो देश में डाक टिकटों की शुरुआत ब्रिटिश शासनकाल में ही वर्ष 1852 में हुई थी लेकिन उस समय जारी किए गए टिकट केवल सिंध प्रांत में ही चल सकते थे। हालांकि विश्व में डाक टिकटों का इतिहास करीब 186 वर्ष पुराना है। डाक टिकटों की शुरुआत कब, क्यों और कैसे हुई, इसका भी दिलचस्प इतिहास है। डाक टिकटों की विधिवत शुरुआत 6 मई 1840 को हुई थी, जब एक पैनी मूल्य

का विश्व का पहला डाक टिकट जारी किया गया था, जिसे हब्लेस्क पैनीहूक के नाम से जाना गया क्योंकि यह डाक टिकट काली रस्‍याही से छापा गया था। इस डाक टिकट के अस्तित्व में आने से पूर्व डाक टिकटों के स्थान पर ह्‍यठप्या टिकटोंह्‍क का प्रयोग होता था, जो अयत्‍यात्‍कार, गोलाकार, त्रिकोणाकार अथवा अंडाकार होते थे और इन ठप्यों पर ह्‍यपोस्ट पेडह्‍क अथवा ह्‍यपोस्ट नोन पेडह्‍क इत्‍यादि लिख्‍या होता था।

प्राचीन काल में डाक सेवा का उपयोग राजा-महाराजा अथवा शाही घरानों के लोग ही करते थे और उस वक्‍त पत्रों अथवा सदियों को लाने-ले जाने का काम उनके विशेषे सदस्यावहक या दूत अथवा कबूतर या अन्‍य पशु- पक्षी करते थे, जिन्हें बाकायदा इस काम के प्रशिक्षित किया जाता था लेकिन बाद में जब आम लोगों को भी इसकी जरूरत महसूस होने लगी तो तय किया गया कि पत्रों की आव्‍याजही के शुल्‍क का भुगतान या तो पत्र प्रेषक करेगा अथवा प्राप्तकर्ता से शुल्‍क लिया जाएगा लेकिन अस्‍मत्‍ होने यह लोग कि प्रेषक पत्रों को अग्रिम भुगतान किए बिना ही भेज देता और प्राप्तकर्ता उसे लेने के बजाय वापस लौटा देता और तब प्रेषक भी शुल्‍क के भुगतान से बचने के लिए उसे लेने से इन्‍कार कर देता। इससे सरकार को अनावश्यक आर्थिक क्षति झेलनी पड़ती थी। सरकार को डाक व्यवस्‍था की खामियों की वजह से लगातार हो रहे आर्थिक नुक्‍सान के मद्देनजर ब्रिटिश सरकार को प्रसिद्ध आर्थिक सलाहकार रोलेण्ड हिल ने सलाह दी कि वह डाक व्यवस्‍था में मौजूद दोषों अथवा खामियों को दूर करने के लिए इसमें कुछ अनिवार्य संशोधन करे और डाक शुल्‍क के अग्रिम भुगतान में रूप में डाक टिकट तथा शुल्‍क अंकित लिफाफे जारी करे ताकि इनके जरिये अग्रिम डाक शुल्‍क प्राप्त हो जाने पर सरकार को घाटा न झेलना पड़े। अंततः ब्रिटिश सरकार ने काफी जद्दोजहद के बाद उनका सुझाव

स्वीकार कर लिया और तब तक चले आ रहे ठप्‍या टिकटों के बजाय डाक टिकटों जारी करने का फैसला कर लिया गया। इस प्रकार 10 जनवरी 1840 को डाक टिकट का आम्‍बिष्‍कार हो गया, जो एक पैनी मूल्य का था लेकिन इसको विधिवत 6 मई 1840 को ही जारी किया गया। इस तरह वह विश्‍व का पहला डाक टिकट बन गया।

आधा औंस वजन तक के पत्रों के लिए डाक टिकट का मूल्य एक पैनी और एक औंस वजन के लिए दो पैनी निर्धारित किया गया। इसके अलावा जो लोग निजी लिफाफों या रेपैरों के बजाय डाक विभाग द्वारा मुद्रित सामग्री का ही प्रयोग करना चाहते थे, उनके लिए एक पैनी व दो पैनी मूल्य के लिफाफे जारी किए गए। इसके करीब तीन वर्ष बाद दुनिया के अन्‍य देशों में भी डाक टिकटों का प्रचलन शुरू हो गया। ब्राजिल में 1843 में, अमेरिका में 1847 में, बेल्‍जियम में 1849 में और भारत में 1854 में पहली बार डाक टिकट जारी किए गए। आज लगभग हर देश में वहां के डाक टिकटों की एक बेहतरीन श्रृंखला मिल जाएगी। यही नहीं, कुछ लोग तो ऐसे भी मिलेंगे, जिन पर डाक टिकटों का संग्रह करने का ऐसा जुनून साधार रहता है कि उनके पास आरंभ से लेकर अब तक के अधिकांश डाक टिकटों की दुर्लभ श्रृंखला मिल जाएगी। डाक टिकटों के ऐसे शौकीनों की आज दुनिया भर में कोई कमी नहीं है। अमेरिका के जेम्‍स रूक्‍विन नामक व्यक्ति के पास तो विश्‍व के प्रथम डाक टिकट से लेकर अब तक के लगभग तमाम दुर्लभ डाक टिकटों का संग्रह है और उनके संग्रह में 40 हजार से भी अधिक डाक टिकट शामिल हैं। डाक टिकट जितना पुराना और दुर्लभ होता है, उसकी कीमत भी उतनी ही बढ़ जाती है और डाक टिकटों का संग्रह करने के शौकीन कुछ व्यक्ति तो उसे हासिल करने के लिए मुहमांजी कीमत देने को भी तैयार रहते हैं।

रंगमंच का वो कबीर चला गया... अलविदा नाना

सिनेमा के कबीर थे। इतनी शोहरत और नेशनल अवॉर्ड्स जीतने के बाद भी आप अस्‍मत्‍ कितनी मासूमियत से कहते थे, यार, मुझे अच्छी हिंदी आती तो मैं बहुत अच्छा एक्‍टर बन जाता... मुझे गुस्‍सा बहुत आता है, मैं दिखने में भी अच्छा नहीं हूँ... लेकिन हाँ, कुछ करने का जच्‍वा है। यही जच्‍वा आपको सबसे अलग और एक नायाब शर्ष्‍कस्‍यत बनाता था। विश्‍वसनीयता ऐसी थी कि लोग ऐसे बोलते थे जैसे आप देश के हर आदमी के अपने हैं जैसे हर कोई आपके साथ उठता-बैठता रहा हो कि यार नाना पोंटेकर कभी झूठ नहीं बोल सकते। निहायत ही ईमानदार आदमी, हमेशा बेबाक बोलना, दूसरों की दिल खोलकर तारीफ करना, और हमेशा सीखने को लालक इसी एटिट्यूड के साथ आप अभिनय के शिखर पर पहुंचे, आपका अभिनय कोई किताबी थ्योरी नहीं था, वो तो जिंदगी के कड़वे तजुबों की भट्ठी में तपकर निकला हुआ सोना था। गमन से शुरू हुआ आपका ये सफर परिदा, प्रहार, क्रांतिवीर और नटसम्राट जैसी बेहतरीन फिल्‍मों से गुजरते हुए भारतीय सिनेमा की सबसे ऊंची मिसाल बन गया। कैमरे के सामने आपकी खामोशी में भी एक अजीब सी चीख होती थी और जब आप दहाड़ते थे, तो थियेटर के परदे कांप उठते थे। आपके वो कड़क डॉयलाग महज सिनेमा की लाटर्न नहीं थे, वे इस समाज के दोगलेपन पर करारे तमाचे थे। जब आपने क्रांतिवीर में चीखकर कहा था, आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने...! तो लगा था जैसे देश का हर आम आदमी इस खोखले सिस्‍टम के सामने अपनी बेबसी रो रहा है। और जब आपने अपने हाथ की नसं काटकर दिखाया, ये ले मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून...

बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा...? तब मजहब की झुठी दीवारें एक झटके में ढह गई थीं। उन संवादों में कोई बनावटी शब्‍द नहीं थे, उसमें आम आदमी का लहू बोलता था। उस आवाज में एक अजीब सा जादू था, जो धमकी भी लगती थी, हंसी भी और सबसे बढ़कर—एक सच्‍चा कबूलनामा भी। आपकी इसी बेलेस फितरत का एक वाक्‍या पूरी दुनिया को हमेशा याद रहेगा। जब सरकार की तरफ से आपको देश के बड़े नागरिक सम्‍मान पद्म श्री देने का एल्‍तान हुआ, तो आपकी बेबाकी वहां भी सिर चढ़कर बोली। आपने बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे पूछ लिया था, ये अवॉर्ड आखिर किस लिए दिया जा रहा है मुझे? वहां से जवाब आया कि आपने कला के जरिए समाज की बहुत सेवा की है, देश का नाम रोशन किया है। इस पर आपने जो जवाब दिया, उसने सबकी बोलीती बंद कर दी थी। आपने मुस्‍कुराकर कहा था, अजी छोड़ो यार, ये कैसा सम्‍मान? मैंने जो भी काम किया, उसके बदले प्रोड्यूसर से पूरे पैसे वसूल किए हैं... जब काम के बदले दाम ले लिया, तो फिर ये समाजसेवा कैसी और ये सम्‍मान क्यों? ऐसी खरी और सच्‍ची बात कहना सिर्फ और सिर्फ आपके ही बस की बात थी।

खेत से खुद उगा कर खाना और मुंबई से कमाकर लाना और किसानों की मदद में लुटा देना। यार नाना, ये दिलदारी सिर्फ आपको ही आती थी। करोड़ों की गाड़ियों खरीदने की बजाय अपनी गाड़ी क्रमाई का एक बड़ा हिस्‍सा चुपचाप तंगलाल किसानों की झोली में डाल देना, नाम फाउंडेशन बनाकर महाराष्ट्र के सूखे खेतों में जिंदगी की नई उम्‍मीद बोना। ये काम कोई मामूली एक्‍टर नहीं, सिर्फ एक रूहानी ईंसान ही कर सकता था। आप



योगेश कुमार गोयल

डाक टिकट की कहानी, बदलती दुनिया की निशानी...

हमारे दैनिक जीवन में डाक के महत्व को दर्शाते तथा इसकी उपयोगिता साबित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 9 अक्तूबर को ह्‍दविश्व डाक दिवसह्‍क मनाया जाता है। 9 अक्‍तूबर 1874 को स्‍विट्‍जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक संधि पर हस्‍ताक्षर किए थे, जिसके बाद ह्‍दयूनियर्सल पोस्‍टल यूनियनह्‍क का गठन किया गया था। 1 जुलाई 1876 को भारत यूनियर्सल पोस्‍टल यूनियन का सदस्‍य बना, जो इसकी सदस्‍यता लेने वाला पहला एशियाई देश था। 1874 में गठित हुई ह्‍दयूनियर्सल पोस्‍टल यूनियनह्‍क की याद में जापान के टोक्यो में 9 अक्‍तूबर 1969 को आयोजित विश्‍व डाक संधि के सम्‍मेलन में इसी दिन ह्‍दविश्व डाक दिवसह्‍क मनाए जाने की घोषणा की गई और तभी से प्रतिवर्ष 9 अक्‍तूबर को ही अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवा दिवस मनाया जा रहा है। इस वर्ष विश्‍व डाक दिवस की थीम ह्‍दविश्व डाक दिवस: एक डाक नेटवर्क, अनंत संभावनाएंह्‍क है। वह थीम बदलते समय में डाक व्यवस्‍था की व्यापक और बहुआयामी भूमिका को रेखांकित करती है। आज डाकघर केवल चिड़ियां और पार्सल पहुंचाने का माध्‍यम

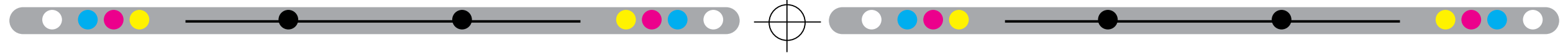


दिलीप कुमार पाटक

किताबों की बातें करने वाले, हमेशा दिल से जीने वाले नाना। इतने बड़े फनकार होने आप, पूरी दुनिया ने आपकी अदाकारी को सलाम किया और सम्पूर्ण अदाकार का खिताब दिया, लेकिन आप अपनी आंखिरी सांस तक वही ठेठ गांव के सीधे-सादे ईंसान ही रहे। अपनी ही मस्ती में, अपनी ही रफ्तार से चलने वाले एक अलबेले मुसाफिर। जिसकी अपनी एक अलग ही दुनिया थी। आपकी वो सादगी और बेलेस अंदाज ऐसा था कि बड़े से बड़े लोग आपके सामने मद्धम पड़ जाते थे। कमाल का था आपका चरित्र। जब दिल किया, किसी की भी खुलकर तारीफ कर दी और जब गुस्सा आया, तो सामने कोई भी हो, बिना डरे खरी-खरी सुना दी। आपका कोई तय दर्रा या बंदिश नहीं था, न किसी दल में न दलदल में। आपको तो बस एक ही अपनी विचारधारा थी - प्रेम, सद्भाव और मानवता। इस बेढंगी दुनिया में एक शानदार ईंसान रहे हैं आप। आपको एक अभिनेता से बढ़कर एक खरे ईंसान के रूप में याद किया जाएगा। सचमुच आप

क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है। विज्ञान की नई खोजें तभी सार्थक होंगी, जब उनके लाभ केवल संपन्न वर्ग या विकसित देशों तक सीमित न रहें। अनुसंधान से विकसित होने वाले उपचार सुलभ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से वहनीय भी होने चाहिए। ज्ञान का वास्तविक लोकतंत्रीकरण तभी होगा, जब समाज का कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी उससे लाभ प्राप्त कर सके।

अंततः मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है। एक छोटे से शैवाल में छिपी वैज्ञानिक संभावना से लेकर मानव मस्तिष्क की जटिल गतिविधियों तक फैली यह यात्रा हमें विनम्रता, धैर्य और जिज्ञासा का संदेश देती है। यह याद दिलाती है कि प्रकृति के रहस्य असीम हैं और मनुष्य का ज्ञान अभी अधूरा है। इसलिए विज्ञान की हर नई उपलब्धि को अंतिम उतरर नहीं, बल्कि बेहतर प्रश्न पूछने और अधिक मानवीय समाधान खोजने का अवसर मानना चाहिए। किसी भी खोज की सर्वोच्च सफलता तब होगी, जब वह प्रयोगशाला की सीमाओं से निकलकर पीड़ित मनुष्य के जीवन में राहत, निराश व्यक्ति के जीवन में आशा और समाज में अधिक संवेदनशीलता का संचार करे। यही विज्ञान की मानवीय कसौटी है और यही वह नई दृष्टि है, जिसकी आज पूरी दुनिया को आवश्यकता है।



रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बहुत जल्द होगी बात, रूस-यूक्रेन युद्ध पर गहरी चर्चा जारी : राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत बहुत जल्द होने वाली है। उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन इस पर जल्द ही कुछ और जानकारी दे सकता है, क्योंकि अभी बहुत गहरी चर्चा चल रही है। ट्रंप ने मरीन वन से उतरने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस बातचीत की योजना के बारे में बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने पुतिन से बात की है और अमेरिका का अगला कदम क्या होगा, तो ट्रंप ने कहा, 'मेरी एक कॉल तय है।' जब पूछा गया कि बातचीत कब होगी, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'बहुत जल्द। एक रिपोर्टर ने फिर पूछा कि क्या यह कॉल सीरी हफ्ते होगी और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां रूस में हो रहे घटनाक्रमों के बारे में क्या कह रही हैं। इस पर ट्रंप ने कहा, 'अभी तक, हम बहुत गहरी चर्चा में हैं। हम शायद कल इसके बारे में रिपोर्ट कर पाएंगे।' ट्रंप ने कहा है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। सोमवार को मैरीलैंड के स्पैरो पॉइंट में अलग से बात करते हुए उन्होंने माना कि यह संघर्ष शुरू में जितना सीधा था, उससे ज्यादा मुश्किल साबित हुआ है। ट्रंप ने कहा, 'मैंने आठ युद्ध खत्म किए। हमने अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म नहीं किया है। मैं उस पर काम कर रहा हूं। मुझे लगा था कि वह मेरे लिए सबसे आसान होगा, लेकिन वह भी बहुत जटिल होने वाला है।' ट्रंप ने कहा, 'उस जंग में बहुत सारे लोग मारे जा रहे हैं, ये बेहद दुःखद है। जो कुछ हो रहा है वो ठीक नहीं है, लेकिन यकीन मानिए, भले ही ऐसा न लग रहा हो, लेकिन हम इसके खत्म होने के करीब पहुंच रहे हैं।

इजराइल के लिए फिर से उड़ान शुरू करने की कोशिश में फ्लाईडुबई, मिला झटका

दुबई, एजेंसी। फ्लाईदुबई के विमान में हुई घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर दिया है, कट्टरपंथी सोच वाले ओमानी को-पायलट हम्माम अल-हम्मामी ने कैसे विमान को तबाह करने की साजिश रची थी, इससे हर कोई हैरान है. इस बीच खबर है है कि फ्लाईदुबई ने इजराइल के लिए अपनी हवाई उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. क्योंकि 30 सितंबर की घटना की जांच अब अंतिम चरण में है. हालांकि इसे नमंजूर कर दिया गया है. रिपोर्ट के मुताबिकफ्लाईदुबई ने इजराइल के लिए उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. फ्लाईदुबई का कहना है कि विमान में हुई घटना की जांच जांच पूरी हो रही है, ऐसे में उड़ें फिर से उड़ानें फिर से शुरू करने दिया जाए. हालांकि इजराइल की परिहहन मंत्री मिरी रेगेव ने सुरक्षा तिताओं का हवाला देते हुए अभी इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है. वैनल 13 की रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाईदुबई ने यह अनुरोध उसके एक विमान के को-पायलट द्वारा आतंकी हमला करने की कोशिश के एक हफ्ते बाद किया गया है. एयरलाइन का कहना है कि हमले की जांच पूरी हो रही है और कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के ट्रान्सपोर्ट मिनिस्ट्री के अधिकारियों को भी अगले हफ्ते दुबई का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

‘न तेल, न इकोनॉमी.. कुछ नहीं बचा, ईरान बर्बाद हो गया’, डोनाल्ड ट्रंप का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान बुरी तरह से बर्बाद हो चुका है। उन्होंने व्हाइट के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है और वहां महंगाई करीब 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के तेल मंत्री ने इस्तीफा दे दिया। ट्रंप के मुताबिक ईरान के पास न अर्थव्यवस्था बची है और न ही तेल। वहीं उन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बेहद मजबूत बताया और कि इसकी वजह डॉलर है। उन्होंने कहा कि मजबूत डॉलर कई मायनों में फायदेमंद है। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है। महंगाई चरम पर है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में महंगाई लगभग 300 प्रतिशत है। उनके पास न तो तेल बचा है और न अर्थव्यवस्था बची है। उनके तेल मंत्री ने हाल में इस्तीफा दे दिया। बता दें कि ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने 4 अक्टूबर को इस्तीफा दिया था, जिसे राष्ट्रपति मसूद पेजेकिस्तान ने स्वीकार कर लिया। नेशनल इरानियन ऑयल कंपनी के सीईओ हामिद बोवार्द को अस्थायी तेल मंत्री नियुक्त किया गया है।

फ्रांस में शिक्षा फंडिंग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग: पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस; बवाल की वजह क्या?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में स्कूलों के लिए ज्यादा फंड की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन में बदल गया। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे देश में 2.66 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया, जिनमें अकेले पेरिस में 56 हजार लोग शामिल थे। छात्रों ने कई हाईस्कूलों की नाकेबंदी की, जबकि मार्सेई, स्ट्रुसबर्ग और दूसरे शहरों में बड़ी संख्या में लोग झंडे और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे। यह आंदोलन सितंबर के मध्य में पेरिस क्षेत्र के एक हाईस्कूल से शुरू हुआ था। अब यह राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के कार्यालय में हुए कई बड़े प्रदर्शनों के बीच एक नए देशव्यापी

आंदोलन के रूप में सामने आया है। प्रदर्शन में शामिल लीआ मोनिमार्ट ने कहा कि सरकार को छात्रों की बात सुननी चाहिए, क्योंकि वे 17 साल के हैं और अपने मुद्दों को समझते हैं।

पुलिस ने आंसू गैस क्यों छोड़ी : ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन पेरिस में मार्च खत्म होने के बाद एक चौक पर प्रदर्शनकारियों के छोटे समूहों और दंगा नियंत्रण पुलिस के बीच झड़प हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। गृह मंत्रालय के मुताबिक, मंगलवार को करीब 500 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की कार्रवाई को लेकर छात्रों, अभिभावकों और

शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है और कुछ छात्र संगठनों ने गुरुवार को फिर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि लगभग सभी मामलों में प्रतिक्रिया अनुपातिक थी और कुछ प्रदर्शन दंगों में बदल गए थे। प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने छात्रों की चिंताओं को सुनने और समाधान निकालने की बात कही। संसद में प्रदर्शन को लेकर सवालों के जवाब में उन्होंने स्कूलों को प्रभावित करने वाली 'अत्यधिक हिंसा' की निंदा की और पुलिस पर नस्लभेद के आरोपों को झूठ बताया। **छात्रों और अभिभावकों में गुस्सा क्यों :** दो हफ्ते से ज्यादा समय से चल रहे कक्षा बहिष्कार और स्कूलों की नाकेबंदी के साथ पुलिस की कार्रवाई भी आंदोलन का बड़ा मुद्दा बन गई है। खबर के मुताबिक, अब तक 6,500 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और इनमें ज्यादातर नाबालिग हैं। पुलिस

के दंगा नियंत्रण हथियारों से गंभीर चोटें लगने के आरोपों के बीच सोमवार को एक घटना में 15 साल के एक लड़के का हाथ चला गया। गृह मंत्री नुनेज ने बताया कि 715 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। विश्वविद्यालय के छात्र फेलिक्स बार्नी ने पुलिस की कार्रवाई को अनुपातहीन बताया और कहा कि नाबालिगों के साथ ऐसा व्यवहार समझ से परे है। वामपंथी फ्रांस अनाबाउड पार्टी के सांसद ऑरिलियन ले कोक ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए लाठी, रबर की गोलियों और आंसू गैस के इस्तेमाल का जिक्र किया। आंदोलन को फ्रांस में व्यापक असंतोष का समर्थन मिल रहा है। छात्रों की शिक्षा से जुड़ी शिकायतों

के अलावा महंगाई, सार्वजनिक खर्च में कटौती, बढ़ती गरीबी और संपत्ति की असमानता को लेकर भी नाराजगी है। पेरिस के 20वें जिले के हेलेन बुशे हाईस्कूल में प्रदर्शनकारियों ने कुड़ेदान और साइकिलें सड़क पर गिराकर अस्थायी बैरिकेड बना दिए। देशभर के सैकड़ों अन्य स्कूलों को तरह यह स्कूल भी बंद रहा। मंगलवार को 891 स्कूलों में पढ़ाई पूरी या आंशिक रूप से बाधित रही। अधिकारियों ने पिछले सप्ताह कई स्कूलों को बंद करना शुरू किया था, जिससे प्रदर्शन के दौरान स्कूलों को हो रहे नुकसान और छात्रों, कर्मचारियों तथा पुलिस के घायल होने के मामलों को कम किया जा सके।

के अलावा महंगाई, सार्वजनिक खर्च में कटौती, बढ़ती गरीबी और संपत्ति की असमानता को लेकर भी नाराजगी है। पेरिस के 20वें जिले के हेलेन बुशे हाईस्कूल में प्रदर्शनकारियों ने कुड़ेदान और साइकिलें सड़क पर गिराकर अस्थायी बैरिकेड बना दिए। देशभर के सैकड़ों अन्य स्कूलों को तरह यह स्कूल भी बंद रहा। मंगलवार को 891 स्कूलों में पढ़ाई पूरी या आंशिक रूप से बाधित रही। अधिकारियों ने पिछले सप्ताह कई स्कूलों को बंद करना शुरू किया था, जिससे प्रदर्शन के दौरान स्कूलों को हो रहे नुकसान और छात्रों, कर्मचारियों तथा पुलिस के घायल होने के मामलों को कम किया जा सके।

असली आजादी भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे: राजदूत क्वात्रा



वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा है कि भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में ‘भारतीयता का एक हिस्सा’ पहुंचा रहे हैं क्योंकि इनकी लोकप्रियता अब केवल स्वाद तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सेहत, वेलनेस और रोजमर्रा की खान-पान की आदतों तक भी फैल गई है। क्वात्रा ने कहा कि अमेरिका में भारतीय मसालों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐसे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाती है जो उनके कमर्शियल महत्व से कहीं अधिक है। इंडिया हाउस में भारतीय मसालों के सम्मान में आयोजित एक खास कार्यक्रम में क्वात्रा ने कहा, ‘मुझे लगता है कि मसाले सिर्फ व्यापार से कहीं ज्यादा हैं। मेरे निजी नजरिए से ज्यादा जरूरी बात यह है कि इन मसालों के जरिए हम अमेरिकी घरों तक भारतीयता का एक बहुत अहम हिस्सा पहुंचाते हैं।’ इस कार्यक्रम में अमेरिकन स्प्राइस ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य, फूड इंडस्ट्री के प्रतिनिधि और मेहमान भारतीय राजदूत के आवास पर इकट्ठा हुए। क्वात्रा ने मसालों को भारतीय सभ्यता की एक ऐसी अटूट कड़ी बताया जो आज के भारतीय घरों को हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से जोड़ती है। क्वात्रा ने कहा, ‘मैं हमेशा लोगों से कहता हूं और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज

में नहीं बदली है, तो वह है मसाले। मैं वहीं मसाला इस्तेमाल करता हूँ जिसकी आदत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वहीं मसाला इस्तेमाल किया जिसकी आदत उनकी मां ने उन्हें डाली थी, और यह कहानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।’ क्वात्रा ने कहा कि यह परंपरा अब भारत के बाहर भी अपनी जगह बना रही है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस विस्तार का नेटवर्क अब पूरी दुनिया में फैल गया है। राजदूत ने हल्दी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारतीय जीवन का एक अहम हिस्सा रही यह चीज अब आधुनिक अमेरिकी फूड कल्चर का हिस्सा बन गई है। क्वात्रा ने 2010 से 2013 के बीच वॉशिंगटन में अपनी पिछली पोस्टिंग को याद करते हुए कहा कि उन्हें उस समय अमेरिकी कैफे में हल्दी वाला लट्टे देखने को नहीं मिला था। उन्होंने

कहा, ‘मुझे याद नहीं है कि मैं अमेरिका में किसी कैफे में गया होऊँ और वहां हल्दी वाला लट्टे देखा हो। मुझे नहीं लगता कि यह कैफे के मेन्यू में शामिल था।’ क्वात्रा ने अमेरिकी कैफे में इसकी हालिया लोकप्रियता की तुलना भारत में सदियों से हल्दी के इस्तेमाल और आयुर्वेद में इसकी अहमियत से की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक भारतीय व्यवस्था में हल्दी ने ‘बहुत ही अहम और महत्वपूर्ण भूमिका’ निभाई है। आईएनएस के साथ एक अलग बातचीत में क्वात्रा ने कहा कि भारतीय मसालों का इतिहास हजारों साल पुराना है और अमेरिकी लोग इनसे तेजी से परिचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘हमारे लिए सबसे खुशी की बात यह है कि पिछले कुछ सालों में हम न सिर्फ अमेरिकी घरों तक भारतीय मसाले पहुंचा पाए हैं, बल्कि अमेरिकी समाज को भारतीय मसालों के समग्र और स्वास्थ्य संबंधी फायदे के बारे में भी समझा पाए हैं। इसलिए, अमेरिकी समाज में भारतीय मसालों का इस्तेमाल या उनका प्रसार सिर्फ खाने के स्वाद तक ही सीमित नहीं है। असल में, यह जिंदगी का स्वाद है क्योंकि यह आपके शरीर और आपकी समग्र सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। क्वात्रा ने कहा कि मकसद यह था कि भारतीय मसाले अमेरिकी खान-पान की आदतों में गहराई से शामिल हो जाएं। उन्होंने कहा, ‘सोच यह है कि भारतीय मसाले न सिर्फ अमेरिकी

समाज में दूर-दूर तक फैलें बल्कि अमेरिकी खानपान की आदतों का भी हिस्सा बन जाएं।’ राजदूत ने मसालों में बढ़ती दिलचस्पी को खाने-पीने के एक और मौजूदा ट्रेंड, ऑर्गेनिक उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता से भी जोड़ा। उन्होंने तर्क दिया कि जिसे आज आधुनिक और सेहतमंद खान-पान कहा जाता है, उसकी जड़ें अक्सर पुराने खान-पान के तरीकों में होती हैं। क्वात्रा ने कहा, ‘मेरा मतलब है, हम कहते हैं कि ऑर्गेनिक फूड आजकल बहुत ट्रेंड में है। असल में ऑर्गेनिक फूड तो पुराना खाना है और पुराना सेहतमंद खाना है। तो एक तरह से आधुनिक ट्रेंड अपनी जड़ों की ओर लौटना है, कम से कम इस मामले में तो। खाने और मसालों के मामले में तो निश्चित रूप से ऐसा ही है।’ क्वात्रा ने कहा कि ग्राहकों के साथ लंबे समय तक चलने वाला रिश्ता बनाने के लिए सिर्फ मसालों की मार्केटिंग काफी नहीं है। उनके इतिहास और खाने-पीने व जीवनशैली के साथ उनके रिश्ते को समझना जरूरी है।

उन्होंने कहा, ‘यह मेरी परवरिश का हिस्सा है। और मुझे नहीं लगता कि आप मसालों की मार्केटिंग उस तरह से कर सकते हैं।’ भारतीय मसाले सदियों से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचे हैं। दुनिया के दूसरे देशों के साथ भारत के ऐतिहासिक व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों में इन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी नहीं हो रहा कोई विचार: मार्को रुबियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रुबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के ‘ट्रेंड’ पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तर्फ बढ़ रही है। रुबियो ने कहा, ‘जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है। वे रेक्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोरगुर्दुर कैट्रिन गुननार्सडॉटर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रुबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा ‘हां’ या ‘ना’ में जवाब नहीं है। रुबियो ने कहा, ‘अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुःखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे।’ रुबियो ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, ‘हम जाहिर तौर पर वहां के हालात के

ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्कटिक और ‘हाई नॉर्थ’ (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई। रुबियो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते माहौल ने इस इलाके पर वॉशिंगटन का ध्यान फिर से खींचा है। 2006 में आइसलैंड में लंबे समय से मौजूद अमेरिकी सेना को कहीं और भेजे जाने के बाद ऐसा हुआ था। उन्होंने कहा, ‘असलियत यह है कि पिछले 20 सालों में दुनिया बदल गई है। हमारा ध्यान भी बदल गया है। अब आर्कटिक पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। रुबियो ने आइसलैंड को यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से अहम बताया क्योंकि इसकी भूगोलिक स्थिति खास है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन रेकजाविक के साथ और सहयोग पर बातचीत करने के लिए तैयार रहेगा।’ उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि अपनी भूगोलिक स्थिति की वजह से आइसलैंड और उसकी लोकेशन यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा कि ‘हाई नॉर्थ’ में सुरक्षा चिंताएं सिर्फ पारंपरिक सैन्य खतरों तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने गुप्त गतिविधियों, समुद्र के नीचे बिछी केबलों और शिपिंग लेन को होने वाले खतरों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आर्थिक व व्यावसायिक चुनौतियों का जिक्र किया।

फोर्ट हुड केस: 13 लोगों की हत्या के दोषी निडाल हसन को 3 दिसंबर को मिलेगी सजा-ए-मौत, क्या है फायरिंग स्क्वाड

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास स्थित फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पर साल 2009 में गोलीबारी कर 13 लोगों की जान लेने वाले पूर्व सैन्य अधिकारी निडाल मलिक हसन को 3 दिसंबर को मौत की सजा दी जाएगी। अमेरिकी सेना के कार्यवाहक सचिव एडम टेल ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। हसन को फायरिंग स्क्वॉड यानी गोली मारकर मौत की सजा दी जाएगी। अमेरिकी सेना में 1961 के बाद से किसी को भी मौत की सजा नहीं दी गई है। ऐसे में यह मामला एक बार फिर अमेरिका की सैन्य न्याय व्यवस्था को चर्चा में ले आया है।

दुर्घ की मंजूरी के बाद आगे बढ़ी सजा की प्रक्रिया : पेंटागन के प्रवक्ता सीन पावेल ने सोमवार को बताया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हसन को मौत की सजा देने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद सेना



ने सजा को अमल में लाने की दिशा में जरूरी प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। कार्यवाहक सेना सचिव एडम टेल के मुताबिक, सजा टेक्सास के फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पर दी जा जाएगी, जहां हसन ने 2009 में इस जानलेवा हमले को अंजाम दिया था।

मेडिकल जांच कराने पहुंचे सैनिकों पर बरसाई थीं गोलियां : नवंबर 2009 में निडाल हसन फोर्ट हुड के एक मेडिकल भवन में पहुंचा था। उस समय वह सैनिक अपनी स्वास्थ्य जांच कराने के

लिए मौजूद थे। हसन ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। हमले के दौरान उसने ‘अल्लाहु अकबर’ कहा, जिसका अर्थ है ‘इश्वर महान है’। उसने लेजर साइट वाली पिस्तौल से गोलियां चलाईं। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे अमेरिका को झकझोर कर रख दिया था। हसन अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक के पद पर तैनात था। मुकदमे के दौरान उसने अपने बचाव में बहुत कम दलीलें दीं। उसने जुरी से कहा था कि सबूत यह साबित कर देंगे कि गोली चलाने वाला वही था। उसने खुद को ऐसा सैनिक बताया था, जिसने अपना पक्ष बसल लिया है। हसन ने यह भी कहा था कि उसका मकसद सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने साथी मुसलमानों को मारने से रोकना था। उसके इस

बयान ने मामले को और भी संवेदनशील बना दिया था। राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी मिलने के बाद भी हसन की सजा पर अमल करना इतना आसान नहीं है। अमेरिकी सैन्य कानून के तहत जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी। इसके अलावा, हसन के पास नागरिक संघीय अदालत में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करने का विकल्प भी है। इस कानूनी प्रक्रिया के जरिए वह अपनी हिरासत या सजा को चुनौती दे सकता है। मई में ‘आर्मी लॉयर’ पत्रिका में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक, अगर हसन इस रास्ते का इस्तेमाल करता है, तो फांसी की प्रक्रिया रुक सकती है और मामला कई साल तक खिंच सकता है। ऐसे में 3 दिसंबर की तारीख तय होने के बावजूद यह देखना बाकी है कि सजा निर्धारित समय पर दी जा सकेगी या नहीं।

कैसे बची कैप्टन रिमत की जान?: ‘लगातार बह रहा था खून, हॉट भी पड़ गए थे नीले’; अब डॉक्टर ने खुद बताई हकीकत

तेल अवीव , एजेंसी। तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में हुई चाकूबाजी से हर कोई हैरान है। 170 से ज्यादा यात्रियों की जान बचाने वाले पायलट स्मिथ मच्छर इसके असली हीरो रहे। दरअसर, उनके सह-पायलट ने अल हमाम ने अचानक उनपर चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद विमान काफी नीचे आ गया था। कुछ ही सेकंड में विमान क़ैश भी हो सकता था। लेकिन स्मिथ ने हार नहीं मानी। खून से लथपथ होने के बावजूद स्मिथ ने मुकाबला किया और मौका मिलते ही कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इस दौरान चार यात्रियों ने तुरंत दौड़ लगाई। कुछ ने हमलावर को पकड़ा। एक ने विमान संभाला। उन्हीं चार में से एक दांतों के डॉक्टर भी थे। उन्होंने तुरंत स्मिथ को संभाला और उनकी जान बचाने पूरी ताकत झोंक दी। एक इंटरव्यू में जॉर्जियाई दंत चिकित्सक डॉ. शुता मुसाएव ने इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करीब 45 मिनट तक वो लगातार घावों पर दबाव बनाए रखे रहे; बाकी की मदद से खून रोकने की कोशिश की।

कपड़ों और बर्फ से कैसे रोका गया खून : मुसाएव ने बताया कि कैप्टन के सिर और बाएं हाथ से बहुत ज्यादा खून निकल रहा था। उन्होंने पहले टी-शर्ट को घाव पर रखकर दबाव बनाया, लेकिन खून नहीं रुका। इसके बाद उन्होंने विमान के कर्मचारियों से बर्फ मांगी। कैप्टन के घाव बहुत गहरे थे, इसलिए कई आइस पैकेट इस्तेमाल करने पड़े। मुसाएव ने करीब 45 मिनट तक घाव पर दबाव बनाए



रखा और बर्फ लगाते रहे। उनका कहना था कि जब भी वह खून देखने के लिए टी-शर्ट हटाते थे, खून फिर तेज बहने लगता था। मुसाएव लगातार कैप्टन की हालत देखते रहे। वह उनसे बात करते रहे ताकि वह बहोश न हों। उन्होंने कैप्टन से उनके बच्चों के बारे में पूछा और कहा कि वह जल्द अपने परिवार के पास लौटेंगे। कैप्टन ने अपना नाम और उम्र बताई। उन्होंने बताया कि वह भारत से हैं और दुबई में रहते हैं। वह दर्द में थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। एक समय उनको नब्ब बहुत कम हो गई। जब मुसाएव ने उनके पैर ऊपर किए, जिसके बाद नब्ब फिर लौट आई। जब कैप्टन के हॉट नीले पड़ने लगे तो उन्होंने विमान कर्मचारियों से जल्द लैंडिंग कराने को कहा। कैप्टन दर्द की दवा मांग रहे थे। मुसाएव ने उन्हें थोड़ा-थोड़ा पानी दिया, लेकिन भारी खून बहने के कारण दवा देने से मना कर दिया। उन्हें डर था कि कैप्टन को हिलाने या दवा देने से दोबारा ज्यादा खून निकल सकता है। वह लगातार उनकी नब्ब, बातचीत और होंठों का रंग देखते रहे। विमान के सऊदी अरब में उतरने के बाद उन्होंने कैप्टन को जमीन पर मौजूद डॉक्टरों के हवाले कर दिया।



एशियन पैरा गेम्स: प्रमोद भगत और भाविना पटेल करेंगे भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल को 2026 एशियन पैरा गेम्स के उद्घाटन समारोह के लिए भारत का ध्वजवाहक चुना गया है। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 18 अक्टूबर को जापान के नागोया में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। एशियन पैरा गेम्स का पांचवां संस्करण 18 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

प्रमोद भगत भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2014 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में कुल छह पदक जीते हैं, जिसमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल ने 2018 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में दो पदक अपने नाम किए हैं। उनके खाते में एक रजत और एक कांस्य पदक है।



भारत की ध्वजवाहक चुने जाने पर भाविना पटेल ने इसे अपने लिए बेहद गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 'भारत की ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बेहद गर्व का पल है। जब आप तिरंगा थामते हैं तो आपको

एहसास होता है कि आप खुद से कहीं बड़ी चीज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।'

भाविना ने आगे कहा, 'मैं प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर बेहद उत्साहित हूँ। मैं उम्मीद

करती हूँ कि हमारे सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ उतरे, इस पल का आनंद लें और भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।'

दोनों के नाम आठ एशियन पैरा गेम्स पदक प्रमोद भगत और भाविना पटेल ने मिलकर एशियन पैरा गेम्स में कुल आठ पदक जीते हैं। अब दोनों भारतीय दल के सबसे आगे तिरंगा थामकर देश के अभियान को शुरूआत करेंगे। दोनों खिलाड़ियों का चयन भारतीय पैरा खेलों के बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी उपलब्धियों का भी प्रतीक है।

प्रमोद और भाविना दोनों ने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी उपलब्धियों से देश के कई युवा पैरा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उद्घाटन समारोह में उनकी मौजूदगी भारतीय दल के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत होगी।

PCI अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने की तारीफ

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने दोनों खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का नेतृत्व करते देखना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। दोनों असाधारण चैंपियन हैं और उन्होंने भारतीय पैरा खेलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनका सफर, उपलब्धियाँ और जुझारूपन उन्हें भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करने के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान पर जाने वाले हमारे खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे।'

गुरुवार को होगा भारतीय दल का विदाई समारोह

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया गुरुवार को भारतीय दल के लिए औपचारिक विदाई समारोह आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे सम्मानित अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। पूरे एशिया से पैरा एथलीट हिस्सा लेंगे। भारत की नजरें इस बड़े मंच पर अपने बढ़ते प्रभाव को और मजबूत करने पर होंगी। प्रमोद भगत और भाविना पटेल जैसे अनुभवी और सफल खिलाड़ियों का

विराट आउट तो नाना नहीं खाते थे खाना

अभिनेता के दिल के बहुत करीब था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। अब जब नाना पाटेकर हमारे बीच नहीं हैं तो उनकी यादों के सहारे ही इस दिग्गज कलाकार को अंतिम विदाई दी जा रही है। 75 साल की उम्र में आज को दुनिया छोड़ने वाले नाना पाटेकर क्रिकेट के भारी शौकीन थे। विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर थे। एक पुराने इंटरव्यू में नाना ने खुद बताया था कि कोहली के आउट होने के बाद उन्हें खाना खाने का मन नहीं करता। वह खाना छोड़ देते हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर नाना पाटेकर की क्रिकेट को लेकर दीवानगी किसी से छिपी नहीं थी। नाना ने जिस शिद्दत से विराट के लिए खाने छोड़ने की बात कही थी, तब उनकी आंखों में क्रिकेट के लिए झलकता प्यार देखते ही बनता था। विराट कोहली मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं।

मीम्स की दुनिया में वायरल होने लगते थे नाना

उस इंटरव्यू के बाद विराट कोहली जब भी जल्दी आउट होते या रनों की बरसात करते तो इंटरनेट पर नाना की भूख से जोड़कर कई मजेदार मीम्स वायरल होने लगते। नाना ने क्रिकेट और सिनेमा की तुलना भी की थी। कहा था कि दोनों ही जगह परीक्षा होती है। क्रिकेटर्स की परीक्षा पांच दिन तक चलती है तो कलाकारों की डेड से दो साल तक चल सकती है।

8 अक्टूबर को अचानक कहा दुनिया को कहा अलविदा

आठ अक्टूबर की सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर नाना पाटेकर को मृत घोषित किया गया। डॉ। शैखर सालकर ने बताया कि लगातार 45 मिनट तक 'सीपीआर' दिए जाने के बावजूद वह होश में नहीं आए। वह गोवा की राजधानी पणजी के पास डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए गए, जिसके बाद उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया।

खेल जगत ने दिग्गज अभिनेता को दी श्रद्धांजलि

नाना पाटेकर के निधन पर कोहली ने शोक व्यक्त किया है। कोहली ने एक्स पर लिखा, 'भारतीय सिनेमा के दिग्गज। उनका काम और विरासत पीढ़ियों तक जीवित रहेगा। आपकी आत्मा को शांति मिले नाना पाटेकर जी। ओम शांति।' मालूम हो कि पाटेकर ने एक बार इंटरव्यू में कहा था कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं और कोहली के जल्दी आउट होने पर उनका खाना खाने का मन नहीं करता। शिखर धवन ने कहा, 'आज भारतीय सिनेमा ने एक बेहद ख़ास कलाकार को खो दिया है। नाना पाटेकर साहब, आपका काम पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ओम शांति।' पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पाटेकर को एक बेहतरीन अभिनेता बताया, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया। रहाणे ने उनके निधन पर दुख जताया। रहाणे ने एक्स पर लिखा, नाना पाटेकर जी सचमुच एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया है। उनके निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, सिनेमा ने एक सच्चे लीजेंड को खो दिया है, जो अब तक के सबसे बेहतरीन एक्टर में से एक थे। मुझे याद है कि मैंने उनकी कई फिल्में देखीं और उनकी आवाज, उनकी मौजूदगी और उनकी यादगार परफॉर्मेंस से मंत्रमुग्ध हो गया। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने एक्स पर लिखा, अरे नहीं। एक बढ़िया एक्टर, स्क्रीन पर इंटेंस और ज़िंदगी में डेंट्स। स्टेज पर शानदार और इतनी आकर्षक उपस्थिति। सब कुछ सी प्रतिशत किया। किन्ता दुखद दिन है। नाना पाटेकर। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, मुझे नाना पाटेकर एक बहुत ही सीधे-सादे और जमीन से जुड़े इंसान के तौर पर याद है। उनके काम में भी वही ईमानदारी झलकती थी। चाहे मराठी हो या हिंदी, उन्होंने जिन भी किरदारों को निभाया, उनमें हमेशा एक सच्चाई और असलियत दिखाई। उनके जाने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ।

पूर्व भारतीय स्पिनर का दावा, बोले-न्यूजीलैंड दौरे पर होगी नजर

विश्वकप टीम में जगह बना सकते हैं भुवनेश्वर!

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने पर भुवनेश्वर कुमार के लिए भारतीय वनडे टीम के दरवाजे खुल सकते हैं। इतना ही नहीं अश्विन ने कहा कि भुवनेश्वर अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में जसप्रीत बुमराह के साथ भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

चार साल बाद राष्ट्रीय टीम में की है वापसी भुवनेश्वर को चार साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। भुवनेश्वर ने अपना पिछला वनडे मैच 2022 में पार्ल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उत्तर प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 121 वनडे मैच में 141 विकेट लिए हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, वह अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं। मैं आपको बता रहा हूँ, अगर भुवनेश्वर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर कोई तुरंत कहेगा कि उन्हें वनडे टीम में भी शामिल करो। चयनकर्ता उन पर बहुत करीब से नजर रखेंगे। अगर वह गेंद को स्विंग कराते हैं और अच्छे फिटनेस दिखाते हैं तो जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को विश्व कप के लिए एक ही विमान में जाने से कोई नहीं रोक सकता। भुवनेश्वर विश्व कप की पहली गेंद भी डाल सकते हैं।

धनंजय डिसिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने तत्काल प्रभाव से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। 35 वर्षीय डिसिल्वा ने अपने फैसले की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति को दे दी है। हालांकि, वह बतौर खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी सेवाएं जारी रख सकते हैं। जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने वाले धनंजय ने अपने फैसले की वजह भी स्पष्ट की है। उन्होंने चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरा मानना है कि अब बागडोर अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए।' डिसिल्वा का यह फैसला श्रीलंका के टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में अहम माना जा रहा है धनंजय डिसिल्वा का टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने श्रीलंका के लिए 69 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान 13 शतकों की मदद से 4400 से अधिक रन बनाए हैं। बतौर बल्लेबाज वह टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और लंबे समय तक श्रीलंका के टेस्ट मध्यक्रम को मजबूती देते रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद भी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है और वह खिलाड़ी के तौर पर उपलब्ध रहेंगे। धनंजय डिसिल्वा ने जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी। इसके बाद उन्होंने टीम की अगुआई करते हुए पारंपरिक प्रारूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।



फिटनेस बरकरार रखने का भरोसा

अश्विन ने कहा कि 36 वर्षीय भुवनेश्वर की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी परिस्थितियों में काफी उपयोगी साबित हो सकती है। अश्विन ने उम्मीद जताई कि भुवनेश्वर अपनी फिटनेस बरकरार रखेंगे क्योंकि अतीत में उन्हें चोटों से जूझना पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर यह कहने का जोखिम उठा रहा हूँ कि अगर उन्होंने थोड़ी अधिक मेहनत की होती, समय सही रहा होता और वे उन चोटों से बच पाए होते तो उनके पास जो कौशल है उसके दम पर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए एक बड़े खिलाड़ी बन सकते थे।

पंजाब किंग्स को बड़ा झटका, कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने दिया इस्तीफा



नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के मुख्य कोच रिकी पॉटिंग के कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेम्स होप्स और ब्रेड हैडिन अब पंजाब किंग्स के साथ नजर नहीं आएंगे। जेम्स होप्स को ऑस्ट्रेलियाई घरेलू टीम क्वींसलैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वह बिग बैश लीग की टीम ब्रिस्बेन हीट की कप्तान भी संभालेंगे। वहीं, ब्रेड हैडिन ने न्यू साउथ वेल्स के मुख्य कोच का पद संभाल लिया है और उन्हें भी BBL में भूमिका मिलने की संभावना जताई जा रही है। होप्स और हैडिन के जाने के अलावा पंजाब किंग्स पहले ही स्मिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुलु को भी सेवाएं खो चुकी हैं। बहुलु ने अब गौतम गंभीर की अगुआई वाली भारतीय पुरुष सीनियर टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा है। ऐसे में IPL 2027 से पहले PBKS को सपोर्ट स्टाफ में तीन अहम पदों के लिए नए चेहरों की तलाश करनी होगी। एक सूत्र के मुताबिक, 'मुख्य कोच ही सपोर्ट स्टाफ में रिप्लेसमेंट को लेकर फैसला करेंगे।' रिकी पॉटिंग की अगुआई में पंजाब किंग्स ने पिछले सीजन की शुरुआत बेहद शानदार तरीके से की थी और टीम ने लंबे समय बाद आईपीएल फाइनल तक का सफर तय किया था।

दूसरे टी-20 से पहले भारत की ओपनिंग को लेकर दुविधा

संजु सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता, मैच आज

रांची, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को रांची में खेला जाएगा। पहले मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम की नजर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने पर है। हालांकि टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल सलामी जोड़ी को लेकर है, जहां संजु सैमसन और युवा वैभव सूर्यवंशी में से किसी एक को लेकर फैसला किया जा सकता है।

संजु सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता

भारतीय टीम के लगभग सभी प्रमुख बल्लेबाज इस समय अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन संजु सैमसन का बल्ला खामोश है। वह अपनी पिछली चार झु20 पारियों में सिर्फ 29 रन बना पाए हैं और इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर महज 11 रन रहा है। उनकी असफलता के कारण भारत को पारी की शुरुआत में अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही है, हालांकि मध्यक्रम ने इसकी भरपाई की है।

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

ऐसे में टीम प्रबंधन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका दे सकता है। 15 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। उनके पास कई तरह के शॉट हैं और वह पावरप्ले में तेजी से रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।

अल्काराज, सिनर और ओसाका समेत कई स्टार 1 प्वाइंट स्लैम में लेंगे हिस्सा

मेलबर्न: दुनिया के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अगले साल जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के 1 प्वाइंट स्लैम में हिस्सा लेंगे। इनमें कालोस अल्काराज, कोको गॉफ, नाओमी ओसाका और यानिक सिनर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। 1 प्वाइंट स्लैम में वे स्टाइर खिलाड़ी पेशेवर और एम्पेचर क्वालीफायर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करेंगे। इस अनोखे टूर्नामेंट में कुल 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि दांव पर होगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने गुरुवार को अगले साल के टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही 1 प्वाइंट स्लैम के लिए क्वालीफायर प्रतियोगिताएं पूरे ऑस्ट्रेलिया में जारी हैं। इस प्रतियोगिता का सबसे खास नियम यह है कि खिलाड़ी केवल एक अंक के लिए मुकाबला करते हैं। यानी एक ही प्वाइंट पूरे मैच का नतीजा तय कर सकता है। 1 प्वाइंट स्लैम का फाइनल 13 जनवरी को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला जाएगा।



एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी: पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश की एंट्री

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाले इस टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी। पंजाब में करीब दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। हाल ही में जापान के आइजी-नागोया में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम की नजरें एशियाई स्तर पर अपना दबदबा कायम रखने पर होंगी।

हॉकी इंडिया के अनुसार, छह टीमों वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। बांग्लादेश और ओमान को पहले रिजर्व टीमों में रखा गया था। पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भागवत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम को घोषणा करते समय पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की बात कही थी।

नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना



आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी यादशत खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा बने हैं, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान', 'ड्रीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह 'उड़ता तीर' में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे। नए डायरेक्टर के साथ काम करने को लेकर आयुष्मान ने कहा, 'मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूँ कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आकर्षित कर सके। मेरे करियर में सबसे

यादगार अनुभव नए और अलग तरह के लोगों के साथ काम करने से आए हैं।' उन्होंने कहा, 'नए फिल्ममेकर अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट

किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेंदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही,

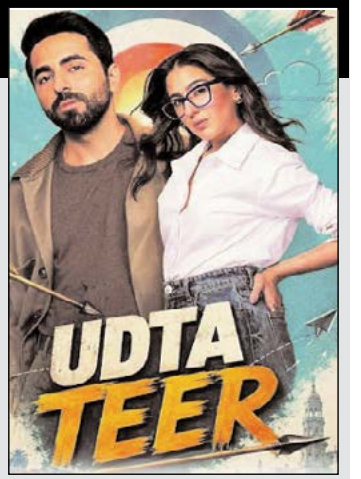
जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।' आयुष्मान ने कहा, 'मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।'।

'दृश्य 3' से डरे आयुष्मान खुराना, टली उड़ता तीर की रिलीज डेट

अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिव्यूज मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी है। आइए जानते हैं इसकी क्या वजह है? आपको बता दें कि अजय देवगन की फिल्म 'दृश्य 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म अगले कुछ दिनों तक अच्छा कलेक्शन करेगी। ऐसे में

'उड़ता तीर' के मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख 9 अक्टूबर से आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म 23 अक्टूबर को रिलीज होगी। फिल्म 'दृश्य 3' के अलावा आज सिनेमाघरों में 'प्रेम कीटणू' भी रिलीज हुई है। 16 अक्टूबर को यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' रिलीज होने वाली है। वहीं 16 अक्टूबर को राज कुमार राव की 'प्रहार' भी रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक

मेकर्स ने अक्टूबर के महीने में रिलीज होने वाली फिल्मों का आकलन किया। उन्होंने इस भीड़ से बचने के लिए और 'उड़ता तीर' को ज्यादा स्क्रीन देने के लिए यह बड़ा फैसला लिया। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान, मुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म अब 23 अक्टूबर के वीकेंड पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि सिनेमाघरों में रिलीज से पहले इसका और प्रमोशन किया जाए।



बिग बॉस-20 में इमोशनल हुई माही विज

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के घर में कंटेस्टेंट माही विज और मेरी कॉम के बीच किचन की राजनीति ने घर का माहौल गरमा दिया है। हाल ही के एपिसोड में माही विज ने अमन गांधी से बात करते हुए यह मुद्दा उठाया कि मेरी कॉम किचन में पक्षपात करती हैं और अपने दोस्तों को ज्यादा खाना देती हैं। इस मुद्दे पर बात करते हुए माही विज काफी इमोशनल नजर आईं। उन्होंने साफ कहा कि उनकी मेरी कॉम से कोई निजी दुश्मनी नहीं है, बस किचन में जो पक्षपात हो रहा है, उससे उन्हें तकलीफ हुई है। अमन से बात करते हुए माही विज ने इस बात को अपने बचपन की यादों से जोड़ा और बताया कि लोअर मिडिल क्लास परिवार से आने की वजह से उन्होंने ऐसी घटनाओं को अलग तरीके से महसूस किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे मेरी कॉम से कोई परेशानी नहीं है लेकिन जिस तरह से वह किचन में पक्षपात करती हैं, वह अच्छा नहीं लगता है और मुझे अपने बचपन की याद आने लगती है।' माही ने किचन में हो रहे भेदभाव और राजनीति को लेकर अपनी परेशानी बताते हुए याद किया कि कैसे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति की वजह से उन्हें बचपन में सामाजिक मौकों पर असहज महसूस होता था। उन्होंने कहा कि बचपन के उस दुखद अनुभव के बावजूद, आज भी वह उस रिश्तेदार के बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार रखती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं लोअर मिडिल क्लास फैमिली से हूँ, हम बचपन में कभी रेस्टोरेंट नहीं गए थे और बस रिश्तेदारों के साथ ही गए थे। एक बार मेरी बहन ने उनसे कहा कि मुझे कॉर्न सूप पीना है, तो उन्होंने उससे कहा था कि तेरा बाप दे रहा है पेसे? और आज भी मैं उनके बच्चों के साथ अच्छे से पेश आती हूँ और आज उन सबमें मैं सबसे ज्यादा कामयाब हूँ।' 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को घर में लाया गया है। शो में एमसी मेरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशाल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिष्ठा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रिति तिवारी, उदित सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउट ओपी, रोहेद खान, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।



जनता की आवाज बन सवाल पूछने निकलीं परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'शक-ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी आगामी फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' की भी खूब चर्चा है और आज शनिवार को इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री इस बार खनन माफियाओं का पर्दाफाश करने निकली हैं। मगर, मजिल आसान नहीं है। ट्रेलर की शुरुआत में परिणीति चोपड़ा को दिखाया गया है। पत्रकार के रूप में वे एक अधिकारी का साक्षात्कार करने पहुंची हैं। एक दुर्यटना का जिक्र करती हैं। अधिकारी लापरवाही से कहता है, 'पुराना पुल था। दुर्यटना हो गई। आप रिपोर्टर एक ही चीज को कितनी बार रगड़ोगे।' दूसरा सवाल होता है, इस वक्त आपके जिले में अवैध रेत खनन की क्या स्थिति है? यह सुन अधिकारी चौक जाता है और कहता है, 'अवैध खनन को रोकने के लिए कानून बनाया है। कोई सवाल ही नहीं है।' परिणीति चोपड़ा एक खोजी पत्रकार के रूप में नजर आई हैं। वे अपनी इन्वेस्टिगेशन पर निकलती

हैं। मगर, माफियाओं का खौफ है। रिपोर्टिंग के दौरान उन्हें सतर्क किया जाता है कि कैमरा दिख गया तो मारे जाएंगे। वे चौकती हैं। रेत के लिए? तब उन्हें बताया जाता है कि 'यह ब्राउन गोल्ड है मैडम। इसे मामूली मत समझिए।' धीरे-धीरे अवैध रेत खनन और माफियाओं की मनमानी को लेकर और परतें खुलती हैं।

कब रिलीज होगी 'रिपोर्टिंग लाइव'

खोजी पत्रकारिता के दौरान खौफ भी है और खतरे भी। मगर, इरादे बुलंद हैं। परिणीति बेखौफ होकर निकल जाती हैं। परिवार से कहती हैं, 'इस बार हार गई तो हमेशा के लिए हार जाऊंगी।' चुनौती कम नहीं होती। क्या परिणीति माफियाओं का पर्दाफाश कर पाएंगी या हार जाएंगी? इसका खुलासा फिल्म में होगा। फिलहाल ट्रेलर काफी दिलचस्प है। यह फिल्म 09 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटपिलवस पर रिलीज होगी।

हॉरर-कॉमेडी से डेब्यू करेंगे यशवर्धन आहूजा

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म ओरिजिनल हॉरर-कॉमेडी है, जिसे साजिद खान करीब एक दशक बाद निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ फैमिली ड्रामा की कहानी का हिस्सा है। फिल्म का निर्माण अमर बुटाला कर रहे हैं और बालाजी इसके स्टूडियो पार्टनर हैं। फिल्म की सेंटिंग भी इसके जॉनर की तरह अलग है। कहानी किसी वास्तविक शहर या गांव की लोककथा पर आधारित नहीं है, बल्कि एक काल्पनिक छोटे गांव में

घटती है। यहां किसी वास्तविक जगह से जुड़ी मान्यता, किंवदंती या स्थानीय हॉरर स्टोरी को आधार नहीं बनाया गया है। इस लिहाज से फिल्म का सिनेमाई संसार पूरी तरह फिक्शनल है। हॉरर को किसी खास वास्तविक जगह से जोड़ने के बजाय कहानी के किरदारों और उनके पारिवारिक हालात से पैदा किया गया है। इसलिए इसे पारंपरिक लोककथा आधारित हॉरर के बजाय फैमिली-सिचुएशनल हॉरर-कॉमेडी के तौर पर देखा जा सकता है। यशवर्धन फिल्म में एक नौकरिपेशा युवक की भूमिका निभा रहे हैं। उसकी जिंदगी की एक बड़ी समस्या

शादी है। शादी नहीं हो पाने की वजह से वह निजी और पारिवारिक दबाव से गुजर रहा है। यही स्थिति कहानी में कॉमेडी और फेमिली ड्रामा की जमीन तैयार करती है। इसके बाद कहानी किस तरह हॉरर की तरफ बढ़ती है, यह फिल्म का सस्पेंस है। साजिद खान की यह फिल्म उनके निर्देशन करियर के लिहाज से कम्बेक प्रोजेक्ट है। 'हे बेबी' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों से कॉमेडी जॉनर में पहचान बनाने वाले साजिद इस बार सिर्फ कॉमेडी पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने हॉरर, कॉमेडी और फैमिली ड्रामा को एक ही कहानी में पिरोया है।



कपिल कौस्तुभ शर्मा की फिल्म ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है के साथ तनिशा मुखर्जी की पर्दे पर वापसी

मुंबई पाँच साल बाद तनिशा मुखर्जी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और इस बार उनके साथ है फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की कहानी जिंदगी फिर भी खूबसूरत है। मार्गोओ फाइल्स की सफलता के बाद कपिल अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो पूरी तरह जिंदगी के छोटे-बड़े पलों से जुड़ी है और कई दशकों का सफर तय करती है। यह फिल्म दिखाती है कि वक्त के साथ इंसान, रिश्ते और जज्बात किस तरह बदलते जाते हैं।

मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म 1990 के दशक से लेकर 2025 तक का सफर तय करती है और इसमें रोमांस, ह्यूमर और इंसानी जज्बात का खूबसूरत मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के सेंटर में हैं तनिशा मुखर्जी, जिनका किरदार जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। कपिल के लिए तनिशा को कास्ट करना सिर्फ किसी जाने-पहचाने चेहरे को दोबारा पर्दे पर लाने की बात नहीं थी, बल्कि ऐसे एक्टर की तलाश थी, जो अलग-अलग उम्र के पड़ावों में इस किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ जी सके। तनिशा की वापसी और फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर कपिल कौस्तुभ शर्मा कहते हैं, तनिशा एक ऐसी एक्टर हैं जिनमें एक खास तरह की इमोशनल क्वालिटी है, जो इस किरदार के लिए बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि कोई ऐसा कलाकार हो, जो इस सफर में ईमानदारी और गहराई ला सके। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे

लिए एक बहुत पर्सनल फिल्म है। यह रिश्ते, बदलते वक्त और आम जिंदगी की खूबसूरती के बारे में है और मुझे लगता है कि तनिशा ने इस किरदार में एक बेहद खास संवेदनशीलता लाई है। फिल्म में कपिल की कोशिश सिर्फ कहानी सुनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि असली माहौल और असली लोकेशन को पर्दे पर उतारने की भी है। फिल्म के कई हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई और दादर पारसी कॉलोनी के ऑथेंटिक पारसी घरों में की गई है। फिल्म को डेवलप करते वक्त कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ भी करीब से काम किया, ताकि फिल्म में उनकी संस्कृति, तौर-तरीके और बोलचाल का अंदाज पूरी तरह असली महसूस हो। डिटेलिंग पर यह खास ध्यान कपिल के फिल्ममेकिंग अप्रोच का हिस्सा रहा है। अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों से अपने डेब्यू से लेकर डन्नो वाय ना जाने क्यों, डन्नो वाय 2... लाइफ इज आ मोमेंट और लव इज लाव जैसी फिल्मों तक, कपिल ने अलग-अलग विषयों और फॉर्मेट्स में कहानियां कही हैं। लेकिन उनकी कहानियों में इंसानी रिश्ते हमेशा एक अहम हिस्सा रहे हैं। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है में कपिल ने कई जिम्मेदारियां अपने कंधों पर ली हैं। फिल्म को लिखने और डायरेक्ट करने के साथ-साथ वह इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। वह फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसका सफर अलग-अलग उम्र के पड़ावों से होकर गुजरता है। इसी वजह से कहानी के बड़े उम्र वाले हिस्सों के लिए उन्हें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से भी गुजरना पड़ा है।



दीव में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की आज होगी क्षेत्रीय समीक्षा बैठक

■ बैठक में प्रमुख कल्याणकारी, सामाजिक सशक्तीकरण एवं सामाजिक रक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी, जिसमें अंतिम छोर तक सेवा वितरण, लाभार्थियों की संतुष्टि तथा परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 08 अक्टूबर। भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय कल संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव में क्षेत्रीय समीक्षा बैठक (आरआरएम) आयोजित करेगा। दीव में आयोजित होने वाली इस बैठक में देश के पश्चिमी क्षेत्र में प्रमुख कल्याणकारी, सामाजिक सशक्तीकरण एवं सामाजिक रक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन की व्यापक समीक्षा की जाएगी। बैठक में राजस्थान, गोवा और महाराष्ट्र राज्यों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ-साथ दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सचिव

सुधांशु पंत बैठक को संबोधित करेंगे तथा क्षेत्रीय समीक्षा बैठक के प्रमुख क्रियान्वयन संबंधी प्राथमिकताओं और उद्देश्यों पर प्रकाश डालेंगे। संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में संघ प्रदेश प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में भाग ले रहे हैं। इनमें सामाजिक कल्याण विभाग के सचिव आशीष मोहन, दीव के कलेक्टर राहुल देव बूरा तथा सामाजिक कल्याण विभाग के निदेशक-सह-उप सचिव पुनीत कुलश्रेष्ठ शामिल हैं। भाग लेने वाले राज्यों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों में राजस्थान सरकार के सामाजिक कल्याण विभाग के निदेशक ललित कुमार, गोवा सरकार के सामाजिक कल्याण विभाग के

निदेशक दीपक देसाई, महाराष्ट्र सरकार के सामाजिक कल्याण विभाग की आयुक्त दीपा मुडहोल मुंडे तथा महाराष्ट्र सरकार के अधीन निदेशक सोनाली मुले विचार-विमर्श में भाग लेंगे। क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में मंत्रालय की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में अपर सचिव देबोलिना ठाकुर, संयुक्त सचिव सजीश कुमार एन., परवीन कुमार थिंड, डॉ. संदीप रेवाजी राठौड़, उप महानिदेशक प्रतिमा गुप्ता तथा निदेशक गौरव सिंह राजावत सहित मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। क्षेत्रीय समीक्षा बैठक का उद्देश्य मंत्रालय, भाग लेने वाले राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के बीच संस्थागत समन्वय को मजबूत

करना और सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण से संबंधित कार्यक्रमों का प्रभावी, पारदर्शी, जवाबदेह तथा परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। इसमें विशेष रूप से अंतिम छोर तक सेवाओं की पहुंच, लाभार्थियों के कवरेज एवं संतुष्टि, संसाधनों के कुशल उपयोग तथा मापनीय परिणामों पर जोर दिया जाएगा। यह बैठक योजनावार प्रगति के आकलन, क्रियान्वयन में मौजूद कमियों एवं चुनौतियों की पहचान, सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान तथा पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ बेहतर ढंग से पहुंचाने के लिए सम्यबद्ध सुधारात्मक एवं अनुवर्ती उपायों के निर्धारण हेतु एक संस्थागत मंच प्रदान करेगी।

दमण जिला पंचायत हॉल में टीबी मुक्त पंचायत सम्मान समारोह एवं जोश टीम का शुभारंभ कार्यक्रम हुआ आयोजित



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 08 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी उन्मूलन हेतु निरंतर प्रभावी एवं समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप संघ प्रदेश में टीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति सुनिश्चित की जा रही है तथा टीबी मुक्त पंचायतों के माध्यम से समुदाय को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान भारत मंडपम नई दिल्ली से केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा द्वारा लाइव माध्यम से जोश टीम का शुभारंभ किया गया। इस पहल के अंतर्गत टीबी उन्मूलन के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में 8 अक्टूबर 2026 को जिला पंचायत हॉल मोटी दमण में टीबी मुक्त पंचायत सम्मान समारोह एवं कुछ रोग-उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उन्होंने सभी सरपंचों एवं पंचायत प्रतिनिधियों



को टीबी मुक्त पंचायत अभियान के उद्देश्यों, पंचायतों की भूमिका तथा टीबी उन्मूलन के लिए किए जाने वाले आवश्यक प्रयासों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने पंचायत स्तर पर टीबी के लक्षणों की शीघ्र पहचान, समय पर जांच एवं उपचार, टीबी रोगियों को आवश्यक सहयोग तथा समुदाय में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, सभी सरपंचों से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए टीबी मुक्त पंचायत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग करने का आह्वान किया। इस पहल के अंतर्गत माय भारत के स्वयंसेवकों एवं एनसीसी के डैडेट्स को जोश टीम में शामिल किया गया है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं के नेतृत्व में सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करना, टीबी के लक्षणों एवं बचाव के उपायों के बारे में जन-जागरूकता

फैलाना, लोगों को समय पर जांच एवं शीघ्र निदान तथा समयबद्ध उपचार के लिए प्रेरित करना और टीबी से जुड़े सामाजिक भेदभाव एवं भ्रांतियों को कम करना है। जोश टीम के सदस्य ग्राम पंचायतों एवं समुदायों के बीच जाकर टीबी उन्मूलन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा टीबी मुक्त पंचायत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्रिय योगदान देंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी दमण एवं राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम / राष्ट्रीय कुछ उन्मूलन कार्यक्रम की कार्यक्रमाधिकारी ने इस वर्ष टीबी मुक्त पंचायत बनाए जाने की प्रक्रिया, निर्धारित मानदंडों, पंचायत स्तर पर की जाने वाली गतिविधियों तथा टीबी उन्मूलन में सामुदायिक सहभागिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने टीबी की शीघ्र पहचान, समय पर जांच एवं उपचार, उपचार की नियमितता,

टीबी रोगियों को आवश्यक सहयोग तथा जन-जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय समुदाय से टीबी उन्मूलन के प्रयासों में सक्रिय सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान टीबी मुक्त पंचायत अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों को उनके स्कोर के आधार पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दमण के दुनेठा ग्राम पंचायत को गोल्ड श्रेणी में तथा परियारी, पटलारा एवं दमणवाड़ा ग्राम पंचायतों को सिल्वर श्रेणी में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य टीबी उन्मूलन के लिए पंचायत स्तर पर जन-जागरूकता, सामुदायिक भागीदारी एवं प्रभावी जन जागरूकता को बढ़ावा देना तथा टीबी मुक्त पंचायतों द्वारा किए गए प्रयासों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करना है।

दादरा नगर हवेली में बार, रेस्टोरेंट, होटल और पेट्रोल पंपों पर सीसीटीवी अनिवार्य

■ सात दिन के भीतर मुख्य प्रवेश और निकास द्वार पर कैमरे लगाने का आदेश, 24 घंटे निगरानी रखना जरूरी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 8 अक्टूबर। दादरा नगर हवेली जिला प्रशासन ने सार्वजनिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधों की रोकथाम और पहचान को मजबूत करने के उद्देश्य से बार, रेस्टोरेंट, होटल और पेट्रोल पंप संचालकों के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। उप-विभागीय दंडाधिकारी अमित कुमार द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी आदेश में जिले में संचालित सभी बार, रेस्टोरेंट, होटल और पेट्रोल पंपों के मुख्य

प्रवेश एवं निकास द्वार पर कार्यशील सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य किया गया है। आदेश के अनुसार संबंधित प्रतिष्ठानों के मालिक, संचालक, लाइसेंसधारी अथवा प्रभारी व्यक्ति को आदेश जारी होने की तारीख से सात दिनों के भीतर मुख्य प्रवेश और निकास स्थान को स्पष्ट रूप से कवर करने वाला सीसीटीवी कैमरा स्थापित करना होगा। कैमरे की स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि प्रतिष्ठान में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाले लोगों की पहचान उचित रूप से की जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लगाए गए सीसीटीवी कैमरे

चौबीसों घंटे चालू रहने चाहिए और उनकी उचित देखरेख कर उन्हें कार्यशील स्थिति में रखना संबंधित प्रतिष्ठान संचालक की जिम्मेदारी होगी। आदेश के अनुपालन की पूरी जिम्मेदारी मालिक, संचालक, लाइसेंसधारी अथवा प्रभारी व्यक्ति को दे दी गई है। आदेश के अनुपालन की जांच के लिए संबंधित जिला अधिकारी अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिकृत अधिकारी प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में आदेश का पालन नहीं करने पर मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा और

कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है। इसमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 तथा लाइसेंस प्राप्त प्रतिष्ठानों के संचालन से संबंधित अन्य लागू कानूनों एवं नियमों के तहत कार्रवाई शामिल है। जिला प्रशासन ने यह आदेश तथा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशों का व्यापक प्रचार-प्रसार और कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का कहा है। प्रशासन के अनुसार यह कदम सार्वजनिक सुरक्षा, सुरक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है।

घेलवाड सरपंच हिताक्षी पटेल ने आंगनवाडी में कार्यरत शिक्षिका एवं नर्स को किया सम्मानित

■ आंगनवाडी के छोटे-छोटे बच्चों को चॉकलेट वितरित किया, बच्चों के साथ बिताया समय



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 08 अक्टूबर। घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल ने आंगन उत्सव के तहत पंचायत क्षेत्र की आंगनवाडी में कार्यरत शिक्षिका एवं नर्स को सम्मानित किया। इस अवसर पर हिताक्षी पटेल ने छोटे-छोटे बच्चों को चॉकलेट भी वितरित किया। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया और उनका उत्साह भी बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में खुशी का माहौल देखा गया। बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं आंगनवाडी के साथ जुड़े



कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम की सभी ने सराहना की।

थ्रीडी यूटी लेवल अंडर-14 बैडमिंटन स्पर्धा में पीएमश्री रिंगनवाडा स्कूल के छात्र राजवर्धन ने हासिल किया प्रथम स्थान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 08 अक्टूबर। खेल विभाग द्वारा आयोजित दादरा नगर हवेली और दमण-दीव संघ प्रदेश स्तरीय अंडर-14 बॉयज बैडमिंटन स्पर्धा में दमण जिले के पीएम श्री सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय रिंगनवाडा के कक्षा 6 के विद्यार्थी राजवर्धन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। राजवर्धन ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा, मेहनत, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में शानदार जीत दर्ज की और विद्यालय के साथ-साथ दमण जिले का नाम रोशन किया। राजवर्धन मूक-बधिर विद्यार्थी हैं। अपनी विशेष परिस्थितियों को चुनौती देते हुए उन्होंने यह सफलता हासिल कर यह साबित किया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और सही



अवसर मिलने पर कोई भी विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के बल पर ऊंचाईयां हासिल कर सकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य विरेंद्र पटेल ने राजवर्धन को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता विद्यालय के

अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है।

राजवर्धन ने पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर बैडमिंटन स्पर्धा में विजय प्राप्त करके स्कूल का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

सीएचसी घोघला में टीबी मुक्त अभियान - जोश टीम का हुआ शुभारंभ समारोह

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 08 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत के विजन को ध्यान में रखते हुए संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम 8 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित किया गया। राष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान भारत मंडपम, नई दिल्ली से केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा द्वारा लाइव माध्यम से जोश टीम का शुभारंभ किया गया। इस पहल के अंतर्गत टीबी उन्मूलन के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में 8 अक्टूबर 2026 को दीव के सीएचसी घोघला हॉल में टीबी मुक्त अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत प्रमुख रंजीता कोटिया एवं दीव म्युनिसिपल प्रमुख हरेश पांचा एवं सभी सरपंचों एवं हेल्थ ऑफिसर समेत आरोग्य कर्मचारी टीबी मुक्त अभियान के उद्देश्यों, पंचायतों की



भूमिका तथा टीबी उन्मूलन के लिए किए जाने वाले आवश्यक प्रयासों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने पंचायत स्तर पर टीबी के लक्षणों की शीघ्र पहचान, समय पर जांच एवं उपचार, टीबी रोगियों को आवश्यक सहयोग तथा समुदाय में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही, सभी सरपंचों से अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए टीबी मुक्त पंचायत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग करने का आह्वान किया। इस पहल

के अंतर्गत माय भारत के स्वयंसेवकों एवं एनसीसी डैडेट्स को जोश टीम में शामिल किया गया है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं के नेतृत्व में सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करना, टीबी के लक्षणों एवं बचाव के उपायों के बारे में जन-जागरूकता फैलाना, लोगों को समय पर जांच एवं शीघ्र निदान तथा समयबद्ध उपचार के लिए प्रेरित करना और टीबी से जुड़े सामाजिक भेदभाव एवं भ्रांतियों को कम करना है। जोश टीम के सदस्य ग्राम पंचायतों एवं समुदायों के बीच

जाकर टीबी उन्मूलन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा टीबी मुक्त पंचायत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्रिय योगदान देंगे। दीव जिले की सभी 8 ग्राम पंचायतों ने टीबी मुक्त पंचायत अभियान के अंतर्गत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इनमें से 2 ग्राम पंचायतों को गोल्ड श्रेणी तथा 5 ग्राम पंचायतों को सिल्वर श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया जा चुका है तथा संबंधित प्रमाण-पत्र प्रदान किए जा चुके हैं।